णाणस्स सारमायारो

CELEBRATING 25 YEARS OF
SPREADING VALUE EDUCATION
1991 - 2015

www.jvbi.ac.in

जैन विश्वभारती संस्थान की ओर से डॉ. अनिल धर, कुलसचिव, जैन विश्वभारती संस्थान द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित तथा गिरधर ऑफसेट प्रिण्टर्स, लाडनूँ में मुद्रित एवं जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ (राजस्थान) में प्रकाशित ।सम्पादक–नेपाल चन्द गंग

RNI-RAJBIL/2009/32418

Vol : 6, Issue : 2, Vol: 7, Issue : 1, July 2014-June 2015

Samvahini

Half Yearly Newsletter | Jain Vishva Bharati Institute, Ladnun

A graded by NAAC

NAAC Re-accredited 'A' Grade Certificate

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान
NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL
An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
on the recommendation of the duly appointed
Peer Team is pleased to declare the
Jain Vishva Bharati Institute
(Deemed to be University u/s 3 of the UGC Act, 1956)
Ladnun, Dist. Nagaur, Rajasthan as
Accredited
With CGPA of 3.11 on the four point scale
at A grade
valid up to July 07, 2018

Date : July 08, 2013

Director

EC/64/RAR/25

Samvahini

वर्ष-6, अंक-2 एवं वर्ष-7, अंक-1
जुलाई 2014 - जून 2015
(संयुक्तांक)
जैन विश्वभारती संस्थान
(अर्द्धवार्षिक समाचार पत्र)

संरक्षक
समणी चारित्रप्रज्ञा
कुलपति

सम्पादक
नेपाल चन्द गंग

कम्प्यूटर एण्ड डिजाईन
पवन सैन

कार्यालय
जैन विश्वभारती संस्थान
लाडनूँ - 341306
नागौर, राजस्थान
दूरभाष : (01581) 226110 226230
फैक्स : (01581) 227472
E-mail : jvbiladnun@gmail.com
Website : www.jvbi.ac.in

सम्पादकीय

बीज जो वट वृक्ष बन गया

25 वर्ष की अपनी विकास यात्रा में संस्थान आज जिस मुकाम पर पहुँचा है, जिन ऊंचाईयों को छुआ है, वह किसी भी विश्वविद्यालय के विकास के लिए एक प्रतिमान बन सकता है। इस अवधि में इस विश्वविद्यालय ने जहां अपने शैक्षणिक गतिविधियों में ढ़ेर सारी उपलब्धिां प्राप्त की है वहीं अपने आधारभूत संरचना में भी काफी विकास किया है। यही कारण है कि यहां का वातावरण आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को केवल शैक्षणिक गतिविधियों के प्रति आकर्षित ही नहीं करता बल्कि अपनी सुविधाओं एवं सौन्दर्य से भी अभिभूत करता है।

आज जैन विश्व भारती संस्थान अपनी रजत जयंती मनाते हुए गर्व का अनुभव कर रहा है। संस्थान ने अपनी रजत जयंती के अवसर पर 25 वर्षों की उपलब्धियों का लेखा-जोखा एक वृहत स्मारिका -'अक्षर-युग' के रूप में आपके समक्ष प्रस्तुत किया है। आमजन तक रूबरू होने के लिए संस्थान ने केवल देश में ही नहीं विदेश में भी विभिन्न स्थानों पर अपनी रजत जयंती के कार्यक्रम एक महोत्सव के रूप में प्रस्तुत करने की योजना बनायी है। अब तक संस्थान लाडनूं, चैन्नई, बेंगलोर में कार्यक्रम आयोजित कर चुका है। आगामी दिनों में गंगाशहर, टमकोर, जयपुर, केसिंगा, दिल्ली, कोलकाता में भी कार्यक्रम आयोजित होने हैं। साथ ही विराटनगर (नेपाल)एवं दुबई (संयुक्त अरब अमिरात)में भी रजत जयंती के कार्यक्रम की आयोजना है।

संस्थान का 8वाँ दीक्षान्त समारोह दिल्ली में अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में आयोजित हुआ। दीक्षान्त भाषण देते हुए भारत की मानव संसाधन मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने कहा कि जैन विश्व भारती संस्थान जैसे शिक्षण संस्थाओं की आवश्यकता है जहां विद्या के साथ चरित्र एवं मूल्यों की शिक्षा दी जाती है। यह हमारे लिए गौरव की बात है।

इस वर्ष पूरे विश्व ने योग दिवस मनाया तो इस संस्थान ने मई एवं जून माह में योग के विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रम कई स्थानों पर आयोजित किए। 21 जून, 2015 को संस्थान परिसर में 'योग-दिवस' का एक वृहत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इन 25 वर्षों में संस्थान के विकास ने पीछे मुड़कर नहीं देखा है। आशा है आगे और अधिक उपलब्धियों की ऊंचाईयों को प्राप्त करेगा, शैक्षिक जगत में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उच्च प्रतिमान स्थापित करेगा।

- नेपाल चन्द गंग

विश्वस्तर पर जैन विश्व भारती संस्थान ने किया मूल्यपरक शिक्षा का प्रसार- डॉ. संचेती

जैन विश्व भारती संस्थान के दो दिवसीय रजत जयंती समारोह का शुभारम्भ सुधर्मा सभा में मुनि सुखलालजी के सान्निध्य में समारोह पूर्वक हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूना के संचेती इन्स्टीट्युट फॉर आर्थोपिडिक्स एण्ड रिहेबिलिटेशन के संस्थापक पदमश्री, पदम विभूषण डॉ. के एच संचेती ने कहा कि जैन विश्व भारती संस्थान ने मूल्य परक शिक्षा के क्षेत्र में देश ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण कार्य किया है। आज जैन विश्व भारती संस्थान मूल्य परक शिक्षा का पर्याय बन गया है। इस संस्थान द्वारा दी जाने वाली शिक्षा मानव निर्माण एवं विकास के लिए जरूरी है। डॉ. संचेती ने अहिंसा एवं मूल्यों की शिक्षा को जरूरी बताते हुए जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

समारोह के मुख्य वक्ता राजस्थान पत्रिका के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी ने अहिंसा को जीवन निर्माण का मूल तत्व बताते हुए कहा कि अहिंसक चेतना के विकास एवं मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था से ही स्वस्थ व्यक्तित्व का निर्माण किया जा सकता है। जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय की शिक्षा को मानव निर्माण की शिक्षा बताते हुए विश्वविद्यालय द्वारा अहिंसा एवं शांति के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को उल्लेखनीय बताया। समारोह के विशिष्ट अतिथि रिपब्लिक ऑफ यूनियन ऑफ कॉमरोस इन इण्डिया के कोन्सुल जनरल के. एल. गंजू ने वर्तमान दौर में इंसानियत की शिक्षा की जरूरत बताते हुए जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय को इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य करने का आह्वान किया। समारोह के विशिष्ट अतिथि मुंबई अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एस के जैन ने मानव निर्माण के लिए जीवनोपयोगी शिक्षा को जरूरी बताया।

संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों को रेखांकित करते हुए विश्वविद्यालय की गति-प्रगति पर प्रकाश डाला। संस्थान के एल्युमिनि डॉ आलम अली सिसोदिया, डॉ. मीना शर्मा आदि ने अपने अनुभव प्रस्तुत किये। इस अवसर पर अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण के संदेश का वाचन किया गया। डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में संस्थान के पूर्व कुलाधिपति, कुलपति, जैन विश्व भारती के अध्यक्ष धर्मचन्द लूंकड़ एवं कुलपति बच्छराज नाहटा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन समणी रोहित प्रज्ञा एवं अदिति सेखानी द्वारा किया गया। आभार ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने व्यक्त किया।

अक्षर युग का विमोचन

जैन विश्व भारती संस्थान के रजत जयंती समारोह के अवसर पर प्रकाशित पुस्तक अक्षर युग का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर अन्य अनेक पुस्तकों का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया।

भवनों का हुआ लोकार्पण

दोपहर ढाई बजे परिसर नवनिर्मित सत्कार (जलपान गृह) का लोकार्पण विधायक मनोहर सिंह की अध्यक्षता में समाजसेवी राकेश कुमार कठोतिया द्वारा किया गया। इसी प्रकार भगवान महावीर इंटरनेशनल सेंटर फॉर सांइटिफिक रिसर्च एण्ड सोशल इनोवेटिव स्टडिज का उद्घाटन जिला कलेक्टर राजन विशाल की अध्यक्षता में समाजसेवी देवराज मूलचन्द नाहर द्वारा किया गया। इस अवसर पर जैन दर्शन से संबंधित डॉक्युमेन्टरी फिल्म भी दिखायी गई।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। विद्यार्थियों ने नृत्य, सामूहिक नृत्य, माईम, नाटक, गीत, कविता, एकांकी की मनोरंजक प्रस्तुतियां दी।

इस अवसर पर संस्थान के जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग के विद्यार्थियों द्वारा योग का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विवेक माहेश्वरी एवं डॉ. तृप्ति जैन ने किया।

कवि संध्या

कवि संध्या का मुख्य आकर्षण – शैलेश लोढ़ा

सुधर्मा सभा में आयोजित कवि संध्या में सुप्रसिद्ध टीवी फेम शैलेश लोढ़ा ने अपनी कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को देर तक हंसने पर मजबूर किया। कार्यक्रम में कवि दिनेश दिगज उज्जैन, प्रदीप भोला, संजय झाला एवं अब्दुल गफार ने भी अपनी हास्य कविताओं से दर्शकों का मनोरंजन किया।

हमारी बात आपके साथ

जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्षों के साथ राकेश खटेड़ के संयोजन में हमारी बात आपके साथ विषयक परिचर्चा का आयोजन किया गया। संस्थान के सभी विभागाध्यक्षों ने रोचक अंदाज में सभी विभागों की उपलब्धियों एवं गतिविधियों से अवगत करवाया।

जूनून, जंग और जीत की कहानी

जूनून, जंग और जीत की कहानी विषयक इस टॉक शॉ में देश के प्रख्यात व्यक्तित्व सुपर - 30 के आनन्द कुमार, मीडिया पर्सन श्रीमती मीना शर्मा, सुश्री सारिका जैन आई आर एस और सुश्री नेहा जैन आई ए एस ने अपनी संघर्ष की कहानी को साझा किया। कार्यक्रम में राकेश खटेड़ का विशेष सहयोग रहा।

21 मार्च (द्वितीय दिवस)

सौहार्द गमन एवं स्वच्छता रैली

प्रात: 8 बजे से स्थानीय सुख आश्रम, बस स्टेण्ड से सौहार्द गमन एवं स्वच्छता रैली का आयोजन भव्य स्तर पर किया गया। रैली में लाडनूं नगर एवं आस पास क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा द्वारा प्रस्तुत मंगलपाठ से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार कस्वा ने हरी झण्डी दिखाकर रैली को रवाना किया। कार्यक्रम में स्थानीय प्रशासन, नगर पालिका, भारत विकास परिषद एवं स्कूलों का विशेष योगदान रहा। रैली में एसडीएम मुरारीलाल शर्मा, जैन विश्व भारती अध्यक्ष एवं रजत जयंती समारोह के मुख्य संयोजक डॉ. धर्मचन्द लूंकड़ सहित जैन विश्व भारती एवं संस्थान के पदाधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे। रैली में क्षेत्र के 13 स्कूलों के करीब 2000 विद्यार्थियों ने भाग लिया। रैली के संयोजक डॉ. संजय गोयल ने बताया कि रैली में भाग लेने वाले विद्यालयों में प्रथम स्थान पर केशर देवी उमावि, द्वितीय स्थान पर मौलाना आजाद उमावि एवं तृतीय स्थान पर ज्ञान कुटीर माध्यमिक विद्यालय ने प्राप्त किया। जिन्हें क्रमश: 5100 रूपये, 3100 रूपये, एवं 2100 सौ रूपये की राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के जनसम्पर्क समन्वयक डॉ. वीरेन्द्र भाटी मंगल ने रैली का आंखों देखा हाल सुनाया।

इन्द्रधनुषी मेला

संस्थान द्वारा इन्द्रधनुषी मेले के अन्तर्गत विद्यार्थियों द्वारा खान-पान एवं मनोरंजन संबंधी स्टॉल के साथ संस्थान के सभी विभागों की गतिविधियों एवं प्रचार के लिए स्टॉल लगाये गये। अपने-अपने विभागों के कार्यक्रमों एवं उपलब्धियों को दर्शाते ये स्टॉल लोगों के आकर्षण के केन्द्र थे।

रंगारंग प्रस्तुतियां

राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के तत्त्वावधान में राजस्थान के लोक कलाकारों द्वारा राजस्थानी लोक नृत्य एवं लोक गीत का शानदार प्रदर्शन किया गया। लोक कलाकारों द्वारा राजस्थानी लोकनृत्य के प्रमुख नृत्यों की प्रस्तुति दी गई। राजस्थानी लोक वाद्य यंत्रों के साथ लोक गीतों के स्वर लहरी पर दर्शक झूम उठे। उपस्थित जनसमूह ने इस कार्यक्रम को विशिष्ट बताया।

लोक कलाकारों का जैन विश्व भारती के अध्यक्ष धरमचंद लूंकड़ एवं संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा द्वारा संस्थान का मोमेन्टो भेंट कर सम्मान किया गया।

समापन समारोह

रजत जयंती का समापन नागौर सांसद सी आर चौधरी की अध्यक्षता में समारोह पूर्वक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य संयोजक धर्मचन्द लूंकड़, कुलाधिपति बी.आर. भण्डारी एवं जैन विश्व भारती के कुलपति बच्छराज नाहटा द्वारा संस्थान के सहयोगी दानदाताओं एवं भामाशाह का सम्मान किया गया। इस अवसर पर खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ रहने वाले विद्यार्थियों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ विद्यावारिधी के रूप में प्रो. अनिल धर एवं कनिष्ठ विद्यावारिधी सम्मान से डॉ. अमिता जैन को सम्मानित किया गया। श्रेष्ठ स्टाफ सदस्य के लिए विनोद कुमार एवं शरद जैन तथा चतुर्थ श्रेणी के लिए विनोद कुमार भाटी एवं तिलकुमार राय को सम्मानित किया गया।

रजत जयंती का द्वितीय चरण चैन्नई में

नैतिक मूल्यों के प्रसार में अग्रणी है संस्थान - चौधरी

जैन विश्व भारती संस्थान के रजत जयंती समारोह के चैन्नई चरण का आयोजन 23 मई, 2015 को कामराज हॉल में रखा गया। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के राजस्व एवं देवस्थान राज्य मंत्री अमराराम ने कहा कि शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार के लिए जैन विश्व भारती संस्थान विशिष्ट कार्य कर रहा है। यह संस्थान हिन्दुस्तान में अग्रणी विश्वविद्यालय है जो अन्य शिक्षा के साथ नैतिक शिक्षा का खूब प्रचार-प्रसार कर रहा है। यह लोगों को जीवन जीने की कला में पारंगत कर रहा है। सैंकड़ों विद्यार्थियों वाले इस विश्वविद्यालय से प्रतिदिन लोगों का जुड़ाव बढ़ रहा है। उन्होंने उपस्थित प्रवासी समाज का निजी और राजस्थान सरकार की तरफ से आभार व्यक्त किया। चौधरी ने विश्वास दिलाया कि विभागीय स्तर पर वे हरसंभव मदद के लिए तैयार हैं।

समारोह की मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि हमारा मकसद शिक्षा का व्यापारीकरण नहीं है। हम व्यक्ति और शिक्षा की गुणवत्ता पर विश्वास करते हैं। इसी वजह से संस्थान को यूजीसी से भी प्रशस्ति मिली है।

समारोह के विशेष अतिथि लाडनूं के विधायक मनोहर सिंह ने कहा कि इस संस्थान का लाडनूं के विकास में अमूल्य योगदान रहा है। मनोहरसिंह ने चैन्नई में बसे लाडनूं मूल के लोगों को वर्ष में एक बार एक सप्ताह के लिए गृह क्षेत्र में आने का आह्वान किया। विशेष अतिथि मारवाड़ जंक्शन के विधायक केसाराम चौधरी ने संस्थान के प्रयासों व कार्यों की तारीफ की और कहा कि वह आने वाले दिनों में अपने उद्देश्यों में कामयाब होकर विश्वस्तरीय संस्थान के रूप में पहचान को व्यापक रूप देगा।

स्मारिका का विमोचन

समारोह में चैन्नई के विभिन्न समाज व संस्थाओं के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ संस्थान की कल, आज और कल को प्रतिबिम्बित करने वाली स्मारिका अक्षर युग और गृह पत्रिका कामधेनु का विमोचन हुआ। समणीवृन्द के मंगलसंगान से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। समणी नियोजिका ऋजुप्रज्ञा ने समारोह में सान्निध्य देते हुए आशीर्वचन दिया। स्वागत भाषण जैन विश्व भारती के मुख्य न्यासी प्यारेलाल पितलिया ने दिया। समारोह में संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा योग का प्रदर्शन किया गया वहीं कलाकारों द्वारा भजन संध्या प्रस्तुत की गई। अतिथियों का स्वागत जैन विश्व भारती के अध्यक्ष एवं रजत जयंती समारोह के मुख्य संयोजक धरमचन्द लूंकड़, संयोजक पुखराज बडौला, जैन विश्व भारती संस्थान के प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी आदि द्वारा किया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रजत जयंती के बेंगलोर चरण का आयोजन

संस्कारों से सिंचित शिक्षा जैन विश्व भारती संस्थान की विशेषता - राज्यपाल

जैन विश्व भारती संस्थान के रजत जयंती समारोह के बेंगलोर चरण का आयोजन 6 जून, 2015 को ज्ञान ज्योति सभागार बेंगलोर में किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए कर्नाटक के राज्यपाल वजुभाईवाला ने कहा कि देश में केवल अक्षर ज्ञान देने वाली शिक्षण संस्थाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन राजस्थान के लाडनूं स्थित जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय देश का ऐसा अनूठा विश्वविद्यालय है जहां पिछले 25 वर्षों से संस्कारों को सींचन के साथ - साथ मूल्यक परक विद्या का ज्ञान दिया जाता है। इससे पहले बंगलोर चरण के प्रायोजक देवराज मूलचन्द नाहर ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया।

इसी धरा पर देखा था सपना

जैन विश्व भारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि जिस कर्नाटक की पवित्रधरा पर आचार्य तुलसी ने संस्कार युक्त शिक्षा प्रदान करने वाली संस्था का सपना देखा था, उसी कर्नाटक की धरा को आज ऐसी शिक्षा संस्थान का रजत महोत्सव कार्यक्रम मनाने का स्वर्ण अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि जब तक हमारा विजन और मिशन एक नहीं होगा जब तक कुछ भी हासिल करना संभव नहीं है। मुनिश्री ज्ञानेन्द्र कुमार ने कहा कि हमे केवल उपदेश सुनते हैं लेकिन इन उपदेशों का आचरण कहीं दिखाई नहीं देता।

संस्थान शिक्षा जगत का सितारा है - शिक्षा मंत्री

राजस्थान के उच्च शिक्षा मंत्री कालीचरण सर्राफ ने कहा कि राजस्थान सरकार महिलाओं के सबलीकरण के लिए ऐसी शिक्षा संस्था को हरसंभव मदद देने को तैयार है। संस्कारों की नींव पर खड़ा यह शिक्षा संस्थान अब शिक्षा जगत का सितारा बन गया हैं। साध्वी कंचनप्रभा ने कहा कि जीवन विज्ञान आचार्य तुलसी की महान देन है। इस पाठ्यक्रम को पूरे विश्वस्तर पर सराहना मिली है।

ये रहे उपस्थित जैन विश्वभारती के अध्यक्ष एवं समारोह के मुख्य संयोजक धर्मचन्द लूंकड़, जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के पूर्व अध्यक्ष हीरालाल मालू, केन्द्रीय जीवन विज्ञान अकादमी के राष्ट्रीय प्रभारी सुरेश कोठारी, पूर्व कुलपति प्रकाशचन्द खींचा, कर्नाटक विधान परिषद के सदस्य लहरसिंह सिरोया, भाजपा कर्नाटक के महासचिव निर्मल कुमार सुराणा, तेजराज सुराणा, तेजराज गुलेच्छा, राजेश मुथा, अमृतलाल भंसाली, रायचन्द खटेड़, प्रेमराज भंसाली एवं अमीचन्द खटेड़ उपस्थित थे। विमल कटारिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संयोजन दीपचंद नाहर एवं समणी उन्नतप्रज्ञा ने किया।

International Summer School

Understanding Jainism Programme

A 21 days International Summer School Programme on **'Understanding Jainism'** was organized from July 23, to August 12, 2014. The Understanding Jainism Programme of Jain Vishva Bharati Institute is an intensive academic course emphasizing on Jain Philosophy, History, Culture, Ethics, Nonviolence, Meditation etc. The programme was interdisciplinary in the nature, aiming at to facilitate the condensed and in-depth knowledge in twenty one days schedule time encompassing the total hours needed for any three month certificate course. This time 15 Participants came from USA, Belgium, Bangkok, Israil and India. Every year only International Students participate in the programme but this was for the first time Indian Students also took participation.

Under this programme, three separate sessions of Jainism, Science of Living, P.M. and Yoga and Nonviolence and Peace comprising the various topics were organized. In addition to the daily lecture schedules, The participants were provided language tutorials in Hindi and Sanskrit. The Participants were benefitted by the talks of in-house and off-house scholars. Prof. M.D. Thomas (Delhi), Prof. Anurag Gangal (Jammu), Prof. Anupam Jain (M.P.), Prof. Pratap Sancheti (Jodhpur), Prof. Susma Singhvi (Jaipur) shares their views with the participants. Beside the academic program, The participants were oriented with Indian culture in general and with the culture of Rajasthan in particular. The students who participated this study tour witnessed the ancient Indian architecture and the places of multi-ethnic religious importance. A visit to wild life sanctuary, trekking to Dungar Balaji and meetings with spiritual personalities, monks and nuns were arranged. The participants visited to places of archeological and historical importance of Ladnun and of adjoining areas. The visit to local Jain families were organized in order to understand the Jain life style and the socio-cultural aspects of Jain laities and with the objective to make students familiar with applied Jainism.

Participants and their Comments

Participants of the Summer School enjoyed this programme upto their utmost satisfaction and pleasure. Their experience can be viewed from the feedback they provided. **Parvin Uddin** said, "the programme was very spiritual and inspiring. I learned a lot more than expected, however, the programme should be little longer. The philosophy of Jainism is interesting and it was well taught.'

Andy Farnadez overall loved this programme and suggested some tips for the betterment of programme.
Samantha Quyum enjoyed the field visits and trips to various places.
Ankita Bhansali said that by participating in this programme she has been benefitted a lot.
Tessu Baradia's experience was amazing and she wishes to attend this programme again in coming years.

On the completion of course the system of evaluation of international grade was adopted, in which the exam was conducted independently in each of the subject. All the students did great effort and earned good grades. On 11the August, students shared their experiences and were awarded certificates. The programme was academically convened by Samani Agam Prajna and Samani Rohit Prajna and co-ordinated by Dr. Anil Dhar.

Jeevan Vigyan Programme in UAE

On the special invitation of Jeevan Vigyan Academy UAE, Assistant Prof. Dr. Samani Shreyas Pragya from the dept. of Jeevan Vigyan, Preksha dhyan & yoga, JVBI, Ladnun and Samani Amal Pragya visited there. They organized different programs about Jeevan Vigyan in different schools, like, Gems Modern Academy, The Indian High School, DPS Dubai, etc. where 7,500 students and 80 teachers participated in it. Lectures were delivered on different topics like Create your universe, Be the best student, Turn your possibilities into reality, etc. Director and Principle of few schools started practices in prayer like Mahaprana Dhavani, Yellow color meditation. Hard work and cooperation of Mr.Dinesh Kothari, Director of Jeevan Vigyan Academy UAE & Mr.Rakesh Bohara is appreciable.

योग एवं जीवन विज्ञान विभाग

योग शिविर शुभारंभ

संस्थान के योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के तत्वावधान में भारत सरकार के केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित नि:शुल्क योग शिविर का शुभारम्भ 21 मई, 2015 को अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र में हुआ। शिविर का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने कहा कि योग जीवन विकास का माध्यम है। जीवन विज्ञान के नियमित प्रयोग से जीवन में संतुलन का विकास किया जा सकता है।

सहायक आचार्य डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने योग की मीमांसा करते हुए बताया कि इस शिविर में प्रतिदिन प्रात: साढे 6 बजे से साढे सात बजे योग का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में सौ से अधिक प्रशिक्षणार्थी भाग लिया। एक मासीय शिविर का समापन अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को हुआ। 21 जून के बाद भी शिविर पूर्व निश्चित समय पर नियमित रूप से चल रहा है।

विविध स्थानों पर योग शिविर आयोजित

जैन विश्व भारती संस्थान के योग विभाग के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष पर प्रेक्षा इण्टरनेशनल सेन्टर में संचालित योग शिविर में लाडनूं क्षेत्र के सैंकड़ों शिविरार्थी भाग ले रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भारत सरकार द्वारा जारी प्रोटोकॉल के अन्तर्गत जसवंतगढ़ के तापड़िया संस्कृत कॉलेज में डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत, तेरापंथ भवन बीदासर में मोनिका सेठिया के निर्देशन में 15 जून से सप्तदिवसीय योग शिविर का संचालन किया गया। इन शिविरों के माध्यम से शिविरार्थियों को योग के द्वारा शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य एवं रोगों के उपचार का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर में समागत शिक्षक शंकरलाल का कहना है कि योग से क्रोध पर नियंत्रण संभव हुआ है। कंचन देवी चौरड़िया ने बताया कि योग के अभ्यास से हाथ, कंधे व गर्दन के दर्द में लाभ मिला है। तापड़िया कॉलेज के प्राचार्य एवं शिविर के सह संयोजक डॉ. हेमन्त कृष्ण मिश्र ने भी योग को जीवन विकास का माध्यम बताते हुए दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। डॉ युवराज सिंह खंगारोत ने बताया कि इन शिविरों में मोटापा, मधुमेह, रक्तचाप, अनिद्रा, तनाव, पाचन विकार, गर्दन एवं दर्द आदि समस्याओं का समाधान भी योग के द्वारा किया गया।

वर्ष भर नियमित चलेगा नि:शुल्क योग शिविर

संस्थान के योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के तत्वावधान में नि:शुल्क योग शिविर का शुभारम्भ अन्तर्राष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र जैन विश्व भारती परिसर में प्रारम्भ हुआ। विभाग के सहायक आचार्य आलोक कुमार पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिदिन नियमित योग कक्षाओं का आयोजन प्रात: 6 बजे से 7 बजे तक किया जायेगा।

उपखण्ड स्तरीय विशाल योग कार्यक्रम

योग से ही जीवन विकास संभव - प्रो. सुदर्शन राव

संस्थान के योग, जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान विभाग के तत्त्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उपखण्ड स्तरीय विशाल योग कार्यक्रम जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा में आयुर्वेद विभाग, उपखण्ड प्रशासन एवं जैन विश्व भारती संस्थान के तत्वावधान में समारोह पूर्वक 21 जून, 2015 को आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के प्रो. सुदर्शनराव ने योग की मीमांसा करते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति रही है। उन्होंने कहा कि योग जीवन में धारण करने से ही जीवन में व्याप्त समस्याओं का समाधान खोजा जा सकता है। प्रो राव ने जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के योग विभाग की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां योग का विशिष्ट कार्य हो रहा है। अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने से विश्वस्तर पर योग की महत्ता उजागर होगी। उन्होंने कहा कि योग से जीवन को संतुलित बनाया जा सकता है।

समारोह में उपस्थित तेरापंथ धर्मसंघ के मुनि श्री सुखलाल ने कहा कि योग से विश्वस्तर पर भारत का प्रभाव पड़ेगा। योग के नियमित प्रशिक्षण को जरूरी बताते हुए मुनिश्री ने कहा कि इससे क्रोध निवारण सहित अनेक लाभ संभव है। कार्यक्रम में उपखण्ड अधिकारी मुरारीलाल शर्मा ने कहा कि योग से जीवन शैली में बदलाव होने के साथ शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक विकास में भी वृद्धि की जा सकती है। इस अवसर पर नगरपालिकाध्यक्ष बच्छराज नाहटा एवं जैन विश्व भारती के अध्यक्ष डॉ. धर्मचन्द लूंकड़ भी मंच पर उपस्थित थे। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने स्वागत वक्तव्य दिया। कार्यक्रम में सामूहिक योग प्रदर्शन प्रोटोकॉल के अन्तर्गत 33 मिनट का रखा गया। विश्वविद्यालय के योग विभाग के प्रभारी डॉ. युवराज सिंह खंगारोत ने योग का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी ललित राजपुरोहित, पारूल दाधीच, निकिता उत्तम, मोनिका सेठिया, अनुश्री जाखड़, माधुरी जरिया, सुनिता, मंजू, विद्या आदि ने योग का प्रदर्शन किया। अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त योग प्रशिक्षिका प्रज्ञा बहन झाला ने योग का खम्ब प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में लाडनूं नगर की अनेक संस्थाओं के सह आयोजन में सामूहिक योग प्रदर्शन में हजारों लोगों ने लाभ लेकर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर सामूहिक योग के अलावा योग प्रदर्शनी एवं योग कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा सह-आयोजक संस्थाओं पंतजलि योग समिति, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, विश्व हिन्दू परिषद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, बजरंग दल, दुर्गादल, गौपुत्र सेना, व्यापार मण्डल, दरगाह उमराव शहीद गाजी कमेटी, अंजुमन तेजेआम, आदर्श विद्या मन्दिर, जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, तेरापंथ महिला मण्डल, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ कन्या मण्डल, युवक परिषद, अणुव्रत समिति, सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायन शाला, राष्ट्रीय सेवा दल, नेशनल कैडेट कोर, अल्पसंख्यक अधिकारी एवं कर्मचारी महासंघ, दशहरा मेला समिति का सम्मान किया गया। संयोजन डॉ. विवेक माहेश्वरी ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में दो हजार से अधिक लोगों ने सहभागिता दर्ज की।

योग प्रदर्शनी एवं कार्यशाला आयोजन

हायर एजुकेशन रिव्यू सर्वे में जैन विश्व भारती संस्थान 17 वें स्थान पर

हायर एजुकेशन रिव्यु सर्वे मैगजीन, बैंगलोर द्वारा किए गए एक सर्वे में जैन विश्व भारती संस्थान, शिक्षण, शोध एवं गुणवत्ता की दृष्टि से देशभर में 17वें स्थान पर रही। देश के 500 से अधिक निजी विश्वविद्यालयों एवं मान्य विश्वविद्यालयों के एक सर्वे में देश के 25 प्रमुख शिक्षण संस्थानों में जैन विश्व भारती संस्थान का चयन किया गया।

षटकर्म प्रयोगशाला का शुभारम्भ

संस्थान के जीवन विज्ञान विभाग प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग के तत्वावधान में षटकर्म प्रयोगशाला का उद्घाटन 17 नवम्बर को कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा की अध्यक्षता में किया गया। संस्थान के शैक्षणिक भवन में स्थापित षटकर्म प्रयोगशाला का उद्घाटन जैन विश्व भारती के अध्यक्ष धर्मचन्द लूंकड़ ने फीता काटकर किया। षटकर्म प्रयोगशाला की जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा ने बताया कि षटकर्म प्रयोगशाला के माध्यम से विद्यार्थी षटकर्म के प्रयोग यथा जलनेति, सूत्र नेति, खड़नेति, व्यूत कर्म एवं शीतकर्म कपाल भाति के साथ साथ कुंजल एवं वस्त्र धोति आदि सुगमता से कर सकेंगे।

English Communication Skill

From our initial warm greeting from Dr. Tiwari and first lunch served by Sunil on Sunday, we have been treated like royalty here at JVBI. Everyone at the university has welcomed us and done everything possible to make us feel at home on this beautiful campus. We have been impressed by the classroom facilities, the professional staff, and most importantly, by the enthusiastic students, who have made our time here a true joy. Not only have we enjoyed our time teaching, but we have also relished the many lessons we have learned about Rajasthani culture, the Hindi language, and the Jain religion. We will be truly sad to leave at the end of this week and will advocate a Continue RELO-JVBI relationship.

Jackie Van Tilburgh &
Elizabeth (Libby) Rafferty

अमेरिकन प्रशिक्षकों द्वारा इंगलिश कम्यूनिकेशन स्किल्स की ट्रेनिंग

संस्थान के प्रयास से अमेरिका सरकार द्वारा संस्थान के विद्यार्थियों के लिए इंगलिश कम्यूनिकेशन स्किल्स की ट्रेनिंग हेतु दो प्रशिक्षक जेकी वान एवं एलिजावेथ (लिबी) को यहाँ भेजा गया। इन्होंने 30 मार्च से 10 अप्रेल, 2015 तक प्रशिक्षण कार्यशाला में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया। इस प्रशिक्षण में संस्थान के 40 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण उपरान्त मंगल भावना कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने इस क्रम को भविष्य में भी जारी रखने का निवेदन किया। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने इस प्रयास के लिए कुलपति महोदया का विशेष आभार व्यक्त किया। प्रशिक्षण व्यवस्था में प्रो. रेखा तिवारी, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग का विशेष योगदान रहा।

एण्टी रैंगिंग जागरुकता अभियान

संस्थान के एण्टीरैंगिंग जागरूकता अभियान के अन्तर्गत 30 सितम्बर, 2014 को एण्टी रैंगिग सेल के अध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्या के मन्दिर में रैंगिग करना कानून अपराध है। प्रो. जैन ने रैंगिग की जानकारी देते हुए कहा कि परिसर में अभद्र भाषा का प्रयोग, अपमानजनक शब्दावली, भावनात्मक चोट, मारपीट, भयभीत करना, डराना-धमकाना आदि सभी रैंगिग के अन्तर्गत आते हैं। उन्होंने शिक्षण संस्थानों के परिसरों को रैंगिग मुक्त रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर एण्टी रैंगिग सैल की डाक्यूमेंट्री फिल्म भी प्रदर्शित की गयी।

जीवन में शिक्षण संस्थान का महत्त्वपूर्ण योगदान - प्रो. पंड्या

संस्थान के पूर्व छात्रों का सम्मेलन 'इंटेलेक्ट - 2015' 2 फरवरी, 2015 को एस.डी. घोड़ावत ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर की कुलपति प्रो. चन्द्रकला पंड्या ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में शिक्षण संस्थान का महत्वपूर्ण योगदान होता है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि यहाँ अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों का जीवन नैतिक मूल्यों से समाहित है। विशिष्ट अतिथि सुप्रसिद्ध मोटीवेशनल गुरू प्रो. सतीशबत्रा ने प्रेरणादायी उद्बोधन देते हुए कहा कि युवाओं को सपने पूरे करने के लिए 'विजन' के साथ आगे बढ़ना होगा।

इस अवसर पर आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा, संस्कृत एवं प्राकृत विभाग की अध्यक्ष डॉ. समणी ऋजुप्रज्ञा, कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

एल्यूमनी एसोशियेसन के अध्यक्ष डॉ. संजय गोयल ने कार्यक्रम की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन निर्मला भास्कर एवं आभार डॉ. अशोक भास्कर ने किया। सम्मेलन में पूर्व विद्यार्थियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

अवशिष्ट प्रबन्धन पर व्याख्यान

कचरे का भी बहुपयोग हो सकता है- प्रो. माले

संस्थान के ऑडिटोरियम में 14 नवम्बर, 2014 को अवशिष्ट प्रबन्धन पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। देश के प्रख्यात बायोटेक्नोलॉजी के वैज्ञानिक प्रो. शांताराम माले ने अवशिष्ट प्रबन्धन पर व्याख्यान देते हुए कहा कि देश में कचरे की समस्या बहुतायत में बढ़ रही है। इस समस्या से निजात पाने के लिए रिसाईक्लिंग पद्धति का उपयोग आवश्यक है। पावर प्वाईट प्रजेन्टेशन के माध्यम से उन्होंने अवशिष्ट प्रबन्धन की व्याख्या की। प्रो. माले ने जैन विश्व भारती परिसर एवं लाडनूं को स्वच्छ बनाने पर जोर देते हुए यहां प्रोजेक्ट स्थापित करने पर बल दिया। इस अवसर पर राजस्थान आवास विकास इन्फ्रास्ट्रक्चर के मैनेजिंग डायरेक्टर विजय कृष्ण दाधीच ने राजस्थान में सस्ती लागत से बनने वाली आवास योजना की समुचित जानकारी दी। इस अवसर पर प्रो. शान्ताराम माले द्वारा देश में अवशिष्ट प्रबन्धन पर किए गए कार्यों की डॉक्यूमेन्ट्री एवं चर्चित शो 'सत्यमेव जयते' में आमिर खान के साथ साक्षात्कार को दिखा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने की एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने किया। इस अवसर पर देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलालसल नेहरू की जयंती पर उन्हें याद करते हुए बाल दिवस पर विद्यार्थियों को संस्कार परक शिक्षा के साथ जीवन निर्माण का संदेश दिया गया।

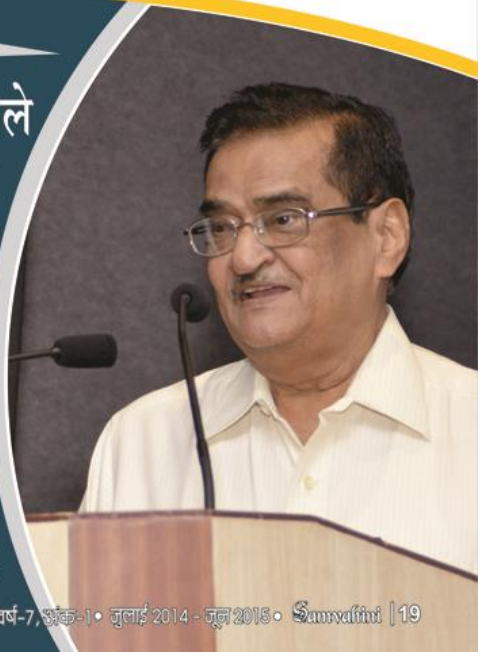

शिक्षा विभाग

शुभभावना समारोह - 2014

जैन विश्व भारती संस्थान के अन्तर्गत एम.एड. व बी.एड. छात्राध्यापिकाओं की विदाई से सम्बन्धित ''शुभभावना-2014 'कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बी.एड. एवं एम.एड. छात्राओं ने वर्ष पर्यन्त अपने प्रशिक्षण के दौरान संस्थान के विविध कार्यक्रमों में भागीदारी निभाई एवं विविध कौशलों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्थान की ओर से छात्राओं को भावी अध्यापिका रूपी जीवन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित करना था साथ ही छात्राओं को अपने मित्र समूह, संकाय सदस्य आदि से अपनी स्मृतियों, अनुभवों एवं मंगलभावनाओं का आदान - प्रदान करने का अवसर प्रदान करना भी है।

कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने सभी छात्राओं को भावी जीवन हेतु मंगल भावनाएं एवं प्रेरणा पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि इस संस्थान में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में प्राध्यापकगण सदैव अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को सदैव अपना लक्ष्य ऊंचा रखना चाहिये एवं भारतीय संस्कृति के उदात्त मूल्यों को आत्मसात करते हुए ज्ञान के अनुप्रयोग पर ध्यान देना चाहिए।

कार्यक्रम में विविध रंगारंग प्रस्तुतियां पेश की गई जिनमें एकल एवं सामूहिक नृत्य, एकल गायन, चुटकले, पैरोडी, अनुभूतियाँ आदि प्रमुख रहे। अतिथियों एवं आगन्तुकों का आभार डॉ. विष्णु कुमार ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन मोनिका गुर्जर एवं सोनम गंगवाल ने किया।

स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत साफ-सफाई

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में गांधी जयंती के उपलक्ष्य में 1 अक्टूबर को नगर के विभिन्न स्थलों पर बी.एड. एवं एम.एड. की छात्राध्यापिकाओं द्वारा साफ-सफाई अभियान चलाया गया। लगभग दो सौ छात्राध्यापिकाओं ने नगर के पहली पट्टी, मंगलम अस्पताल के सामने, ऋषभ द्वार, मिलाप मार्केट, सदर बाजार, झण्डा चौक, दूगड़ मार्केट, सब्जी मण्डी आदि स्थलों पर सफाई अभियान चलाया। इस अवसर पर संस्थान की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों के लगभग दो सौ स्वयं सेवकों ने अपना योगदान दिया। संस्थान परिसर की सफाई भी की गयी।

शिक्षक दिवस

5 सितम्बर को शिक्षा विभाग के तत्वावधान में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। शिक्षक दिवस पर अपने उद्बोधन में कुलपति महोदया ने कहा कि अच्छा शिक्षक बनने के लिए अच्छा विद्यार्थी बनना आवश्यक है। कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने कहा कि व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास उसके दर्शन का विकास और उसके चिन्तन का विकास शिक्षक ही कर सकता है। विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एल. जैन ने कहा कि अहंकार, क्रोध, प्रमाद, रोग तथा आलस्य, ये पांच दोष जिस किसी व्यक्ति में भी होते है वह व्यक्ति कभी जीवन में विकास नहीं कर सकता। कार्यक्रम में बी.एड. छात्राध्यापिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा विभाग में मैत्री भोज का आयोजन भी किया गया, जिसका उद्देश्य नवागन्तुक छात्राध्यापिकाओं में परस्पर मेल-जोल, भाई-चारा, सद्भाव एवं समन्वय की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम में मंच संचालन संयोगिता राठौड़ तथा सरिता कपूरिया ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीष भटनागर ने किया।

शुभभावना समारोह

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में 13 मई, 2015 को शुभ भावना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता के लिए दृढ़ संकल्प जरूरी है। विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर छात्राध्यापिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। पूनम चारण एवं सुनिता डूकिया ने वृत्तचित्र के माध्यम से प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में सुरभि जैन, पूनम मीणा, मीरा बाई, मनीषा पारीक, सुनिता खोजा, रजनी, ज्योति शर्मा, लक्ष्मी कंवर आदि ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संयोजन संयोगिता राठौड़ ने किया।

संस्कृति, संस्कार एवं शिक्षा विषयक सेमीनार

1 जुलाई, 2014 को संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में संस्कृति, संस्कार एवं शिक्षा विषयक सेमिनार आयोजित किया गया। सेमीनार के मुख्य वक्ता प्रो. गोपीनाथ शर्मा जयपुर ने संभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा, विद्या व ज्ञान का सर्वोच्च लक्ष्य आदर्श व्यक्तित्व का निर्माण करना है। प्रो. आर.एन. यादव ने भी संभागियों को संबोधित किया। सेमीनार में विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं अधिकारियों ने भाग लिया।

आचार्य तुलसी प्रसार भाषण माला

13 फरवरी को संस्थान के शिक्षा विभाग में आचार्य तुलसी प्रसार भाषण माला के अन्तर्गत दूरस्थ शिक्षा के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने आचार्य तुलसी के शिक्षा दर्शन पर विशेष व्याख्यान दिया।

ई-लर्निंग कार्यशाला

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में कॅरियर डे के अवसर पर एक ई-लर्निंग कार्यशाला 12 जनवरी को आयोजित की गयी। कार्यशाला में विद्यार्थी एवं शिक्षकों ने सहभागिता की।

शुभभावना कार्यक्रम

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में 22 जुलाई, 2014 को शुभभावना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में छात्राध्यापिकाओं को संबोधित करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि स्पष्ट लक्ष्य और परिश्रम सफलता के लिए बेहद जरूरी है। शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. बी.एल. जैन ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर छात्राध्यापिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

अम्बेडकर जयंती

जैन विश्वभारती संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में 13 अप्रेल को अम्बेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. बी.एल. जैन ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने देश के संविधान निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. बी. प्रधान आदि ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गिरधारीलाल शर्मा ने किया।

गुरू पूर्णिमां

संस्थान के शिक्षा विभाग में 12 जुलाई, 2014 को गुरू पूर्णिमा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बी.एड. एवं एम.एड. की छात्राध्यापिकाओं ने शिक्षिका जीवन में मूल्य परक संस्कृति निर्माण का संकल्प लिया।

फैकल्टी स्टूडेन्ट एक्सचेंज प्रोग्राम

संस्थान के शिक्षा विभाग एवं बुनियादी शिक्षण-प्रशिक्षण महाविद्यालय, सरदारशहर के बीच 'फैकल्टी स्टूडेन्ट एक्सचेंज प्रोग्राम' के अन्तर्गत 21 मार्च तक बुनियादी शिक्षण-प्रशिक्षण महाविद्यालय, सरदारशहर के दो शिक्षक एवं तीस छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। यहां संस्थान में आयोजित इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रो. अनिल धर, प्रो. बी. एल. जैन, प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, डॉ. बी. प्रधान, डॉ. विष्णु कुमार, डॉ. मनीष भटनागर ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। बुनियादी शिक्षण-प्रशिक्षण महाविद्यालय, सरदारशहर के डॉ. सुरेश शर्मा एवं मीनाक्षी सारस्वत के नेतृत्व में विभाग के विद्यार्थियों ने संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त किया। 23 मार्च को जैन विश्व भारती संस्थान के शिक्षा विभाग की 30 छात्राओं एवं शिक्षकों का एक दल डॉ. अदिति गौतम के नेतृत्व में बुनियादी शिक्षण-प्रशिक्षण महाविद्यालय, सरदारशहर के लिए रवाना हुआ। वहां विद्यार्थियों ने 27 मार्च तक विभिन्न कार्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

शैक्षणिक-भ्रमण

संस्थान के शिक्षा विभाग के 185 छात्राध्यापिकाओं के एक दल ने 5 से 7 नवम्बर, 2014 तक शैक्षणिक भ्रमण हेतु दिल्ली के विभिन्न स्थलों का अवलोकन किया। छात्राध्यापिकाओं ने दिल्ली में कुतुबमिनार, लॉटसटेम्पल, इण्डिया गेट, राजघाट, कात्यायनी माता मंदिर, अध्यात्म साधना केन्द्र, एनसीईआरटी आदि संस्थानों एवं स्थलों का भ्रमण किया।

व्यक्तित्व विकास कार्यशाला

संस्थान के शिक्षा विभाग में 2 एवं 3 सितम्बर, 2014 को नवागन्तुक छात्राओं को व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण दिया गया। नवागन्तुक छात्राओं को प्रो. बी.एल. जैन, डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. अमिता जैन, डॉ. सरोज राय एवं गिरधारीलाल शर्मा ने प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में लगभग 200 छात्राओं ने भाग लिया।

प्रसार भाषण माला

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में 24 फरवरी, 2015 को आयोजित प्रसार भाषण माला के अन्तर्गत जीवन विज्ञान एवं योग विभाग के अध्यक्ष प्रो. जे. पी.एन. मिश्रा ने कहा कि शुद्ध वायु एवं संतुलित भोजन द्वारा व्यक्तित्व निर्माण किया जा सकता है।

महावीर जयंती समारोह

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में 3 अप्रेल, 2015 को महावीर जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. बी.एल. जैन, सुरभी जैन, डॉ. बी. प्रधान, डॉ. विष्णु कुमार ने अपने वक्तव्यों के द्वारा भगवान महावीर के दर्शन के विभिन्न पक्षों को उजागर किया एवं उनके उपदेशों को आज के लिए महत्वपूर्ण एवं उपयोगी बताया।

शिक्षा विभाग

स्वच्छता अभियान

लाडनूं के बस स्टेण्ड एवं सुखाश्रम में स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में 8 अप्रेल को सफाई अभियान चलाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लाडनूं उपखण्ड के एस.डी.एम. मुरारीलाल शर्मा ने कहा कि हमें अपनी भावना को सुदृढ़ बनाने की जरूरत है। संस्थान के दो सौ से अधिक विद्यार्थियों ने सफाई अभियान में महत्त्वपूर्ण भूमिका अपनायी।

सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित

संस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा 2 दिसम्बर से 8 दिसम्बर 2014 तक सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए जिला कलेक्टर राजन विशाल ने कहा कि जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय जीवनोपयोगी शिक्षा का उत्कृष्ट केन्द्र है। यहां दी जाने वाली शिक्षा संस्कारों से युक्त होने से समाज में अच्छे नागरिक का निर्माण संभव है। विचित्र वेशभूषा, लोकनृत्य, सामूहिक लोक नृत्य, रंगोली आदि 23 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 8 दिसम्बर, 2014 से खेलकूद प्रतियोगिता भी प्रारंभ हुई। दौड़, कैरम, शतरंज, कबड्डी, गोला फेंक, टेबल टेनिस, खो-खो, लम्बी एवं ऊंची कूद आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डॉ. बी.एल. जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अभिभावक संगोष्ठी

संस्थान के शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में 28 फरवरी 2015 को अभिभावक संगोष्ठि का आयोजन किया गया। संगोष्ठि में अभिभावकों द्वारा विविध सुझाव दिए गए। अभिभावकों में जीवनराम, जगदीश प्रसाद, रतनलाल चौधरी, श्रीमती गणपति, इन्द्रसिंह, शिवचरण आदि ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

सप्तदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

शिक्षकों एवं शिक्षा में नवाचार एवं परिवर्तनशीलता जरूरी- प्रो ज्ञानानी

संस्थान के शिक्षा विभाग एवं कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल के तत्वावधान में सप्तदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 5 से 11 मई, 2015 तक किया गया। शुभारंभ एसडी घोड़ावत ऑडिटोरियम में समारोह पूर्वक हुआ। मुख्य अतिथि दयालबाग एज्यूकेशन संस्थान, आगरा के प्रो. टी सी ज्ञानानी ने कहा कि वैश्वीकरण एवं उदारीकरण के इस युग में भारतीय शिक्षकों एवं शिक्षा में नवाचार एवं परिवर्तनशीलता जरूरी है। चॉक एवं टॉक के स्थान पर सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी के ज्ञान से परिपूर्ण विश्वस्तरीय शिक्षक-प्रशिक्षक निर्माण का मुख्य आधार पाठ्यचर्या निर्माण है। प्रो. ज्ञानानी ने शिक्षा में गुणवत्तापरक शिक्षकों के निर्माण को जरूरी बताते हुए कहा कि श्रेष्ठ शिक्षक ही पाठ्यचर्या के विकास में सहयोगी बन सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने बताया कि इस कार्यशाला के दौरान पाठ्यचर्या विकास पर दीर्घावधि योजना पर चिंतन किया जाना है।

समारोह के विशिष्ट अतिथि जामिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली की प्रो अनिता रस्तोगी ने कहा कि पाठ्यचर्या विकास का प्रमुख उद्देश्य सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक ज्ञान का सामन्जस्य, समय प्रबंधन आधारित नवाचार एवं क्रियान्विति होना चाहिए।

शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने कार्यक्रम की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. विष्णुकुमार ने एवं आभार ज्ञापन डॉ. गिरिराज भोजक ने व्यक्त किया। कार्यशाला में राष्ट्रीय अध्यापक परिषद के उपसचिव अनिल शुक्ला, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के प्रो एम पारीक, एन.सी.ई.आर.टी. दिल्ली के प्रो. अमरिन्दर सिंह बेहरा, संस्कृत विश्वविद्यालय राजस्थान के भूतपूर्व प्रो. गोपीनाथ शर्मा, केशव विद्यापीठ जयपुर के प्रो. अशोक सिडाना, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर के प्रो. सुरेन्द्र सहारण, गांधी विद्या मन्दिर सरदारशहर के दिनेश बैद, डॉ. सरिता शर्मा, जैन विश्व भारती संस्थान की डॉ. पुष्पा मिश्रा सहित अनेक विद्वानों ने अपनी सहभागिता दर्ज की।

कार्यशाला के तृतीय दिवस 7 मई को पाठ्यचर्या में समकालीन समस्या समाधान विषय पर संबोधित करते हुए इग्नू दिल्ली के प्रो. एमसी शर्मा ने कहा कि पाठ्यचर्या विकास एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसका मुख्य आधार परिवार विद्यालय तथा समाज से प्राप्त मुख्य तथ्य, आंकड़े तथा साक्ष्य होते हैं। पाठ्यचर्या का उद्देश्य देश में चिंतनशील शिक्षकों का निर्माण करना एवं भावी पीढ़ी को राष्ट्र विकास के लिए तैयार करना है। द्वितीय सत्र में जयपुर के प्रो. अशोक शर्मा ने शिक्षक के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण पर बल दिया। कार्यशाला में देश भर से विद्वानगणों ने भाग लिया। राष्ट्रीय अध्यापक परिषद् नई दिल्ली उप सचिव अनिल शुक्ला ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अध्यापक शिक्षा की पाठ्यचर्या में परिवर्तन वैश्वीकरण परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है जिसका प्रमुख उद्देश्य विश्वस्तरीय तथा गुणात्मक शिक्षकों का निर्माण है।

कार्यशाला समापन

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. अनिल धर ने पाठ्यचर्या परिवर्तन को अध्यापक शिक्षा के गुणात्मक विकास को आधार बताते हुए कहा कि वैश्वीकरण की चुनौतियों के परिपेक्ष्य में यह परिवर्तन एक सकारात्मक कदम होगा। डॉ. बी.एल. जैन ने सात दिवसीय कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। विशिष्ट अतिथि प्रो. मथुरेश्वर पारीक ने पूर्व पाठ्यचर्या के समीक्षात्मक चिंतन पर बल देते हुए कहा कि नवीन पाठ्यचर्या संबंधी व्यावहारिक प्रशिक्षण को सुनिश्चित करना हम सभी अध्यापक प्रशिक्षकों का दायित्व है। कार्यक्रम का संचालन संयोगिता राठौड़ ने किया।

वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता

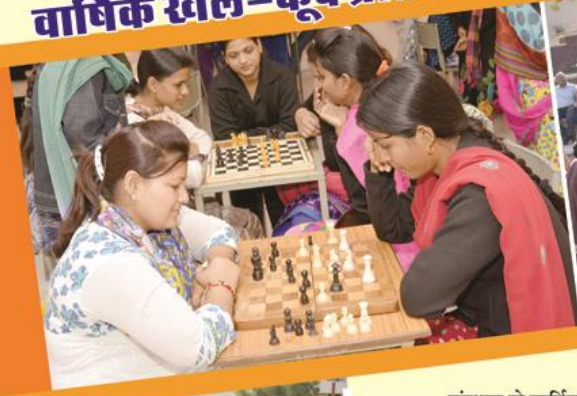

संस्थान के वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन 11 से 13 दिसम्बर, 2015 तक किया गया। प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़चढ़ कर उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता परिणाम निम्न प्रकार रहा-

छात्रा

क्र. सं.	खेल का नाम	प्रथम पुरस्कार	द्वितीय पुरस्कार	तृतीय पुरस्कार
01.	खो-खो	अनामिका	मीरा बाई	-
02.	क्रिकेट	गीता चौधरी	कुसुम पटेल	-
03.	कबड्डी	अनामिका	मुकेश कंवर	-
04.	दौड़ (100 मी.)	प्रेम कुमारी	कुसुम पटेल	बसु देवी
05.	दौड़ (200 मी.)	कुसुम पटेल	प्रेम कुमारी	प्रियंका रिणवा
06.	शॉटपुट	गीता चौधरी	अनामिका चौधरी	जानकी प्रजापत
07.	हेमर थ्रो	जानकी प्रजापत	अनामिका चौधरी	मुकेश कंवर
08.	ऊंची कूद	कुसुम पटेल	चेतना डूकिया	अनामिका चौधरी प्रेम कुमारी
09.	लम्बी कूद	ललिता	प्रेम कुमारी	कुसुम पटेल
10.	कैरम	नीलम पंवार	पूजा नागपुरिया	पूजा पारीक
11.	टेबल टेनिस	पूजा पारीक	प्रभा जांगीड़	इन्द्रा बागड़ी
12.	सतरंज	लक्ष्मी कंवर	सुकन्दया डूकिया	सुनीता कुमारी
13.	बेडमिंटन	किरण सैनी	कोमल	माधुरी

छात्र

क्र. सं.	खेल का नाम	प्रथम पुरस्कार	द्वितीय पुरस्कार	तृतीय पुरस्कार
01.	बेडमिंटन	दीलिप	कमल	संदीप
02.	शॉटपुट	दीलिप	कमल	हरीओम
03.	लम्बी-कूद	हरीओम	चन्द्रमोहन	किशोर
04.	ऊंची-कूद	हरीओम	चन्द्रमोहन	ललित
05.	दौड़ (100 मी.)	हरीओम	चन्द्रमोहन	ललित
06.	शतरंज	अनील कुमार	अनिरूद्ध सिद्धाले	दीपक कुमार
07.	टेबल टेनिस	हरीओम	बजरंग सैन	दिनेश कुमार
08.	कैरम	रजनीकांत	दीलिप ओझा	दिनेश कुमार

संस्थान के क्रीड़ा समिति के सचिव डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत के संयोकत्व में सारी प्रतियोगिताएं आयोजित हुई।

समाज कार्य विभाग

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 21वीं सदी में सरोकार एवं चुनौतियाँ

संस्थान के समाज कार्य विभाग के तत्त्वावधान में समाज कार्य अभ्यास एवं इक्कीसवी सदी में सरोकार एवं चुनौतियाँ विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 12 एवं 13 अक्टूबर, 2014 को किया गया। एस.डी. घोड़ावत ऑडिटोरियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि आर्थिक समुदाय एवं सामाजिक विकास सलाहकार भारत सरकार, जयपुर के अध्यक्ष प्रो. शरद जोशी ने देश में समाज कार्य विभाग की स्थिति की अवगति देते हुए कहा कि आज जरूरत है देश की शिक्षा प्रणाली में समाज कार्य भी प्रभावशाली बने। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि सामाजिक विकास के लिए व्यक्ति को अधिकार से पहले कर्तव्य को समझना होगा तभी सामाजिक ढ़ांचा व्यवस्थित बन सकता है। संभागियों को राष्ट्रीय बाल विकास केन्द्र नई दिल्ली के निदेशक डॉ. के.के. सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विभाग द्वारा प्रकाशित स्मारिका का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया। दो दिन तक चलने वाले इस संगोष्ठी में देश-विदेश के लगभग 150 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विभागाध्यक्ष प्रो. आर.बी.एस. वर्मा ने संगोष्ठी की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला।

13 अक्टूबर को समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. संजय भट्ट ने कहा कि समाज कार्य के माध्यम से देश की विभिन्न समस्याओं का हल खोजा जा सकता है। संगोष्ठि में 29 संस्थानों के 93 विद्वानों ने अपने पत्रों का वाचन किया। डॉ. पुष्पा मिश्रा एवं डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने भी संभागियों को संबोधित किया।

राष्ट्रपति सम्मान

डॉ. समणी संगीत प्रज्ञा को महर्षि बादरायण व्यास सम्मान

संस्थान के प्राकृत एवं संस्कृत विभाग की सह आचार्य डॉ. समणी संगीत प्रज्ञा को प्राकृत भाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए महर्षि बादरायण व्यास सम्मान देश के राष्ट्रपति महामहिम प्रणव मुखर्जी द्वारा 23 मार्च, 2015 को राष्ट्रपति भवन में प्रदान किया गया। भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय के तत्वावधान में प्रति वर्ष दिया जाना वाला यह सम्मान राष्ट्रीय स्तर पर प्राकृत भाषा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान किया जाता है।

समाज कार्य विभाग

जनजातीय अधिकार विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

संस्थान के समाज कार्य विभाग के तत्त्वावधान में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ 10 अप्रेल 2015 को हुआ। 'जनजातीय अधिकार : दार्शनिक आधार समस्यायें एवं संभावनायें' विषय पर आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि संस्कार एवं संस्कृति को दृष्टिगत रखते हुए स्वस्थ समाज का निर्माण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समतावादी समाज की स्थापना से ही स्वस्थ भारत का निर्माण संभव है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मानव अधिकार फाउण्डेशन भारत सरकार के चेयरमैन सुनिल देवधर ने कहा कि पिछले 25 वर्षों से निरन्तर जनजातीय समुदायों के अध्ययन के बाद सामने आया है कि देश की 184 जनजातियां माती, खासी, गोरा आदि जातियां आज भी मातृसत्तात्मक परम्परा का पालन करती है और अपनी संस्कृति से सुखी है। समारोह के मुख्य वक्ता भारतीय दार्शनिक परिषद भारत सरकार के सदस्य सचिव एसएन पटनायक ने जनजातीय अधिकार पर दार्शनिक दृष्टिकोण से समस्याओं एवं संभावनाओं की मीमांसा की। विशिष्ट अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. मानवेन्द्र सिंह ने कहा कि हम सभी को जनजातीय समुदाय की बुद्धिमता एवं आपदा प्रबन्ध कौशल को समझने की जरूरत है। जिससे हम प्रकृति को सुरक्षित रखते हुए अपना निर्वाह कर सकें।

इससे पूर्व समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. आर.बी.एस. वर्मा ने संगोष्ठी की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में विद्वानों द्वारा पत्रवाचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन पुष्पा मिश्रा ने एवं आभार ज्ञापन डॉ. बी जेन्द्र प्रधान ने किया। संगोष्ठी में देश भर से सौ से अधिक विद्वानों ने भाग लिया।

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय दिवस 11 अप्रेल को देश भर से आये विद्वानों ने 19 शोधपत्र प्रस्तुत किये। संगोष्ठी में प्रथम सत्र की अध्यक्षता केन्द्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के प्रो. नरेश भार्गव ने एवं सहअध्यक्षता एसोशियट प्रो. आशुतोष प्रधान ने की। गोवा के प्रो. सूरज एम पाकेर ने गोवा विलिप जनजातीय समुदाय सामाजिक आर्थिक स्थिति एवं नीति क्रियान्वयन पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। दिल्ली के प्रशान्त श्रीवास्तव ने मन: चिकित्सकीय समाज कार्य उपागम : जनजातीय सेवार्थी की समस्या निवारण में उपयोगिता विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता एमएस विश्वविद्यालय बड़ौदा के प्रो. अंकुर सक्सेना ने की। इस सत्र में दस विद्वानों ने शोध पत्र प्रस्तुत किये। समापन सत्र की अध्यक्षता मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर की प्रो. सुधा चौधरी ने की। संगोष्ठी में जनजातीय एवं सामुदायिक स्थिति पर व्यापक चर्चा की गई। 12 अप्रेल को यह राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न हुई।

मानवाधिकार पर कार्यशाला

संस्थान के समाज कार्य विभाग के तत्त्वावधान में एक दिवसीय मानवाधिकार कार्यशाला का आयोजन 31 जनवरी को किया गया। मुख्य अतिथि जयपुर के लालाराम जाट ने मानवाधिकार और कर्त्तव्य की मीमांसा करते हुए नागरिक अधिकारों पर प्रकाश डाला। डॉ. बी. प्रधान ने वन अधिकारी अधिनियम 2006 एंव बंधुआ मजदूर अधिनियम की मीमांसा की। जितेन्द्र सिंह ने मानवाधिकार संरक्षण, डॉ. पुष्पा मिश्रा ने बाल श्रम अधिनियम, डॉ. आभा सिंह ने अनुसूचित जाति जनजाति अधिनियम एवं डॉ. सरिता ने बाल श्रम अधिनियम के बारे में जानकारी दी। आभार ज्ञापन ज्योति स्वामी ने किया।

भगवान महावीर अन्तर्राष्ट्रीय शोध केन्द्र

अहमदाबाद में भगवान महावीर अन्तर्राष्ट्रीय शोध केन्द्र की बैठक

जैन विश्व भारती के अन्तर्गत जैन धर्म और दर्शन के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान और अभिनव सामाजिक पाठ्यक्रमों के निर्माण के लिए स्थापित भगवान महावीर अन्तर्राष्ट्रीय शोध केन्द्र की एक विशेष बैठक कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा की अध्यक्षता में अहमदाबाद स्थित प्रेक्षा विश्व भारती कोबा में दिनांक 10-11 जनवरी, 2015 को आयोजित हुई। इस बैठक में शोध एवं अध्ययन के क्षेत्र में गुणवत्ता विकास हेतु पंचवर्षीय योजनाओं के अन्तर्गत जैन दर्शन में वैज्ञानिक एवं गणितीय सिद्धान्तों के विकास, पर्यावरणीय एवं सामाजिक क्षेत्र में जैन सिद्धान्तों की व्यापक उपयोगिता आदि विषयों पर लघु एवं वृहद शोध परियोजनाओं का संचालन एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन, अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों के पुनर्रीक्षण एवं मूल्यांकन तथा अन्तर्राष्ट्रीय विद्वानों एवं शोध संस्थानों के साथ संयुक्त शोध परियोजनाओं पर कार्य करने की व्यापक चर्चा की गयी। बैठक में प्रो. महावीर राज गेलड़ा, प्रो. सागरमल जैन, प्रो. प्रेम सुमन जैन एवं डॉ. समणी आगम प्रज्ञा ने भाग लिया। संगोष्ठी का संचालन प्रो. नारायण लाल कच्छारा एवं प्रो. समणी चैतन्य प्रज्ञा ने किया।

योग विद्यार्थी समारोह

योग से जीवन की समस्याओं का समाधान संभव - कुलपति

संस्थान के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित योग विद्यार्थी समारोह को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि योग भारत की प्राचीन विद्या है। योग के माध्यम से विद्यार्थी अपने जीवन का विकास करते हुए दूसरों के जीवन विकास में सहभागी बन सकता है। उन्होंने कहा कि योग में जीवन की तमाम समस्याओं का समाधान मौजूद है। समणी चारित्रप्रज्ञा ने बताया कि यह विश्वविद्यालय देश का अनूठा विश्वविद्यालय है जो योग की शिक्षा नियमित एवं पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से दे रहा है। कार्यक्रम में बोलते हुए दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने योग विद्यार्थियों को अधिकाधिक संख्या में योग से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने विद्यार्थियों को योग से संबंधित जानकारी दी। इस अवसर पर रीना गोयल, धर्मेन्द्र गोयल, डॉ. मंजीत कौर, विक्रम सिंह, डॉ. कल्पना वर्मा, चेतन वर्मा आदि ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में योग विभाग के जयपुर के 48 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का अवलोकन भी किया।

व्यक्तित्व विकास शिविर

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की छात्राओं के लिए दिनांक 22 से 24 जुलाई, 2014 तक व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान ध्यान, आसन, प्राणायाम, कायोत्सर्ग एवं अनुप्रेक्षा के प्रयोग कराए गए एवं इन विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर 30 छात्राओं की काउन्सलिंग डॉ. श्रीमती राजेश वैरागी, लोकमान्य तिलक अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा की गयी। समापन समारोह की अध्यक्ष कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि व्यक्ति मन, भाव एवं विचारों के द्वारा अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकता है। प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने भी संभागी छात्राओं को संबोधित किया। संयोजन डॉ. निर्मला भास्कर ने किया।

दलाईलामा सहित अनेक शीर्ष संतों ने भाग लिया

संत सम्मेलन आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में

संस्थान के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में नई दिल्ली के हयात रेजीडेन्सी होटल में विश्व के आध्यात्मिक संतों के बीच अहिंसा एवं शान्ति विषयक सम्मेलन का आयोजन आचार्यश्री के दिल्ली चातुर्मास प्रवास के दौरान हुआ। सम्मेलन के संभागियों को सम्बोधित करते हुए तिब्बती धर्म गुरू दलाई लामा ने कहा कि आज लोगों में करूणा, सहिष्णुता, आत्मानुशासन जैसे मानवीय मूल्यों को बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संवाद से ही सभी समस्याओं से निपटा जा सकता है। आचार्य श्री महाश्रमण ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सभी धर्म गुरू अपने अनुयायियों को अहिंसा, अनुकम्पा, मैत्री व क्षमा जैसे विषयों का प्रशिक्षण दें तो सर्वत्र एक अच्छे वातावरण का निर्माण हो सकता है। आचार्यश्री महाश्रमण ने नैतिक एवं मानवीय मूल्यों के विकास पर भी जोर दिया। इस संत सम्मेलन में मुख्य अतिथि दिल्ली के उप राज्यपाल नजीब जंग थे। सम्मेलन में स्वामी अवी मुक्तेश्वरानन्द सरस्वती, मुरारी बापू, श्रीश्री रविशंकर महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी कैलाशचन्द्र ब्रह्मचारी, डॉ. बी.आर. गौरी, मौलाना बहिदुदीन, प्रो. अखतुल वाशनीय, प्रो. मुमताज अली, एच.डी. ओस्वाल्ड, काल्डेनियम कर खेचड़ी साहब, जीलान गुरू बच्चन सिंह, एच.पी. सरतुल सहित अनेक आध्यात्मिक विभूतियों ने देश में शान्ति एवं सद्भाव के लिए विचार मंथन किया।

एडवान्स स्किल डवलपमेन्ट कार्यशाला

जैन विश्व भारती संस्थान एवं एन्सपायर ह्युमन केपिटल मैनेजमेण्ट संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 5 एवं 6 अगस्त को एडवान्स स्किल डवलपमेन्ट कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा की अध्यक्षता में आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि बेलारी नेत्रहीन एवं टाटा मोटर्स के एच.आर. मैनेजर विकास कुमार जैन ने संभागियों को अपने अनुभव बताते हुए कहा कि वे नेत्रहीन होते हुए भी 'कभी निराश' नहीं हुए। फलस्वरूप वे संगीत, गायन एवं प्रबन्धन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। वे अपने संगीत की प्रस्तुति अमेरिका सहित विश्व के कई देशों में दे चुके हैं। इस दो दिवसीय कार्यशाला में संस्थान के सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास एवं कॅरियर निर्माण के बारे में प्रशिक्षण देते हुए एन्सपायर ह्युमैन कैपिटल मैनेजमेण्ट संस्थान के संस्थापक अमित भाटिया ने सफलता के गुर बताए। कार्यशाला के दौरान व्यक्तित्व विकास, सामान्य आचरण, अंग्रेजी संचार के साथ जीवनोपयोगी प्रशिक्षण दिए गए।

नव वर्ष का आयोजन

संस्थान के महाप्रज्ञ सभागार में नववर्ष का आयोजन किया गया। कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने विश्वविद्यालय के सदस्यों को नव वर्ष की शुभकामना देते हुए कहा कि नव वर्ष जीवन में सुख शांति एवं समृद्धि का प्रतीक बने। संस्थान के शिक्षा विभाग द्वारा नव वर्ष 2015 के उपलक्ष में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

राष्ट्रीय सेवा योजना मेगा कैंप

भारत सरकार के केन्द्रीय खेल एवं युवा मामले के मंत्रालय के तत्वावधान में 6 सितम्बर से 16 सितम्बर, 2014 तक आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के राष्ट्रीय स्तर के मेगा कैम्प का शुभारम्भ 6 सितम्बर, 2014 को संस्थान के एस.डी. घोड़ावत ऑडिटोरियम में समारोह पूर्वक हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने देश भर से पहुंचे चार सौ से अधिक स्वयं सेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि युवाओं पर देश को गौरव है। उन्होंने युवाओं को शक्ति का प्रतीक बताते हुए आत्मविश्वास के साथ उठ खड़े होने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एन.एस.एस. के राष्ट्रीय कार्यक्रम सलाहकार जी.के. टुटेजा ने कहा कि जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के प्रांगण में आयोजित इस शिविर के माध्यम से देश भर से आए युवाओं को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मध्य प्रदेश के कार्यक्रम सलाहकार के. राजेन्द्रन एवं जीवन विज्ञान अकादमी के बजरंग जैन ने भी सम्बोधित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की राजस्थान कार्यक्रम प्रभारी मधुबाला ने सभी आगन्तुकों का स्वागत करते हुए शिविर की महता पर प्रकाश डाला। इस राष्ट्रीय मेगा कैम्प में भारत के लगभग सभी राज्यों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। संभागियों के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों की झलक देखने को मिली।

8 सितम्बर को लाडनूं के एस.डी.एम. मुरारीलाल शर्मा एवं कार्यक्रम के केन्द्रीय प्रभारी देवांशु चौहान ने भी संभागियों को सम्बोधित किया। इस मेगा केम्प में राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, दमन, दीव, तमिलनाडु, केरल, दिल्ली, उड़िसा, गोवा, महाराष्ट्र, सिक्किम, अरूणाचलप्रदेश, तेलांगना, उत्तर प्रदेश, आन्ध्रप्रदेश, बिहार, लक्षद्वीप, मिजोरम, पंजाब, आसाम आदि राज्यों के संभागियों ने भाग लिया। 10 सितम्बर को जिला कलेक्टर डॉ. वीणा प्रधान ने स्वयं सेवकों द्वारा निकाली गयी रैली को सम्बोधित किया। कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस अवसर पर 600 से अधिक पौधे लगाए गए। संभागियों ने अपने अनुभव बताते हुए कहा कि जैन विश्व भारती परिसर में यह मेगा केम्प आयोजित होने से देश की विविध संस्कृतियों से ओत-प्रोत लघु भारत को देखने का अवसर मिला।

एन.एस.एस. का सप्तदिवसीय शिविर

उद्घाटन समारोह

9 जनवरी, 2015 को संस्थान के एनएसएस के दोनों यूनिटों के संयुक्त तत्वावधान में 7 दिवसीय शिविर उद्घाटन किया गया। 9 से 15 जनवरी 2015 तक आयोजित इस शिविर के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना एक ऐसा उपक्रम है जिस से जुड़कर विद्यार्थीयों में सेवा के भावों का विकास सुगमता से किया जा सकता है।

शिविर के समन्वयक डॉ बिजेन्द्र प्रधान ने शिविर की रूप रेखा एवं कार्यक्रम का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि राजकीय चिकित्सालय के डा.बी.आर. सहारण ने स्वयं सेवकों को पल्स पोलियो अभियान की जानकारी दी। समन्वयक डॉ. प्रगति भटनागर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। द्वितीय चरण में डॉ सहारण ने एच.आई.वी. एड्स पर विस्तार से व्याख्यान दिया। डॉ. विवेक माहेश्वरी ने पी.पी. प्रजेन्टेशन के द्वारा भ्रम और वास्तविकता की जानकारी दी।

स्वास्थ्य जागरूकता रैली

एन.एस.एस. शिविर के दूसरे दिन 10 जनवरी, 2015 को बाकलिया एवं दूजार ग्राम में स्वास्थ्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया एवं पल्स पोलियो के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। राउमावि के प्रधानाचार्य प्रहलाद भार्गव ने बाकलिया में एवं दूजार के प्रधानाचार्य नेमीचन्द ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली की शुरूआत की। रैली में संस्थान एवं स्थानीय स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

बच्चों को शिविर के पांचवे दिन 13 जनवरी 2015 को पल्स पोलियो की खुराक पिलाई गई एवं पोलियो के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।

सप्त दिवसीय शिविर के अन्तिम दिन रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कुल 21 लोगों ने रक्तदान किया। चिकित्सा टीम प्रभारी डॉ. अनिता नागौर ने रक्तदान के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभा भूतोड़िया प्रथम, ज्योति राजपुरोहित द्वितीय एवं प्रिंस जैन एवं ललित राजपुरोहित तृतीय स्थान पर रहे।

एनएसएस शिविर

आमुखीकरण शिविर

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 21 सितम्बर, 2014 को एन.एस.एस. का आमुखीकरण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में स्लोगन प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। संस्थान की दोनों इकाईयों के प्रभारियों ने अतिथियों एवं संभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

त्रिदिवसीय यूथ टेलेण्ट प्रतियोगिता

व्यक्तित्व विकास के लिए प्रतियोगिता-डॉ. जतिन सोनी

संस्थान में 15 से 17 दिसम्बर, 2014 तक राज्य स्तरीय त्रिदिवसीय यूथ टेलेन्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय, गांधी नगर के कुलपति डॉ. जतिन सोनी ने कहा कि जीवन मूल्यों के साथ जब खेल जुड़ेगा तभी नए एवं प्रभावी व्यक्तित्व का निर्माण संभव है। व्यक्तित्व विकास के लिए प्रतियोगिता जरूरी है। अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि व्यक्ति का लक्ष्य स्पष्ट हो तो कुछ भी असंभव नहीं है। विशिष्ट अतिथि जैन विश्व भारती के अध्यक्ष धर्मचन्द लूंकड़ एवं कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने भी संभागियों को संबोधित किया। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गयी। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अमिता जैन ने आभार व्यक्त किया। इस त्रिदिवसीय कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इन तीन दिनों में वाद-विवाद, यूज ऑफ वेस्ट मेटेरियल, एकल गायन, माईम, लोक नृत्य, रंगोली, पोस्टर, ड्रामा आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन विभाग

जैन आचार और सामाजिक विज्ञान पर व्याख्यान माला

संस्थान के जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन विभाग के तत्वावधान में जैन आचार और सामाजिक विज्ञान विषयक 21 दिवसीय व्याख्यान माला 2 अगस्त से 21 अगस्त, 2014 तक आयोजित की गयी। प्रतिदिन दोपहर 2.30 बजे से 3.30 बजे तक जैन जगत के प्रख्यात विद्वान प्रो. सागरमल जैन ने विषय की मीमांसा करते हुए जैन आचार को सामाजिक जीवन का मूल्य बताया।

सम्पर्क-2015

राष्ट्रीय स्नातक सम्मेलन

संस्थान के जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन विभाग के तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय स्नातक सम्मेलन - 'सम्पर्क' का आयोजन 23 एवं 24 फरवरी को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने संभागियों को सम्बोधित करते हुए अनेक स्थानों से आए विद्यार्थियों को प्राच्य विद्या के संरक्षण के लिए प्रयास करने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता प्रो. बच्छराज दूगड़, प्रो. अनिल धर, प्रो. दामोदर शास्त्री, प्रो. विश्वनाथ मिश्रा, प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, डॉ. अनेकान्त जैन ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम की निदेशक प्रो. समणी चैतन्यप्रज्ञा थी। इस अवसर पर जैन

जीवन शैली की प्रासंगिकता पर निबन्ध प्रतियोगिता एवं आधुनिक जैन युवाओं में जैन जीवन शैली की प्रासंगिकता विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में जयपुर, कोटा, बांसवाड़ा, दिल्ली सहित अनेक स्थान से 60 से अधिक स्नातकों ने भाग लिया। निर्णायक थे - विशेषाधिकारी नेपाल चन्द गंग, डॉ. अनेकान्त जैन। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. योगेश कुमार जैन ने किया। इस अवसर पर दिल्ली के लाल बहादूर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्या पीठ नई दिल्ली के एसोसिएट प्रो. डॉ अनेकान्त कुमार जैन को जैन विद्या के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान प्रदान किया गया।

अनेकांत से ही विश्व शांति संभव

शिल्पकान विश्वविद्यालय बैंकाक (थाईलेण्ड) एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत संघ के संयुक्त तत्त्वावधान में थाईलेण्ड की राजकुमारी शिरिनथोन महाचक्री एवं भारत की विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज की अध्यक्षता में 28 जून से 02 जुलाई, 2015 तक आयोजित 16वें विश्व संस्कृत सम्मेलन में संस्थान के जैन विद्या विभाग के सहायक आचार्य डॉ. योगेश कुमार जैन ने सहभागिता की। इस सम्मेलन में कुल 66 देशों के 830 प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्रों के माध्यम से प्राच्य विद्या के विकास पर मंथन किया।

डॉ. योगेश जैन ने जैन धर्म के आधारभूत सिद्धांत 'अनेकान्तवाद' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अनेकान्त के सिद्धान्त के पालन से ही विश्वशान्ति संभव है। इस अवसर पर डॉ. योगेश जैन द्वारा संपादित एवं अनुवादित पुस्तक 'पत्र-परीक्षा' का विमोचन भी किया गया। यह पुस्तक जैन न्याय के आधारभूत सिद्धान्तों को बताने वाली है। इस सम्मेलन में डॉ. जैन द्वारा संस्थान की गतिविधियों की जानकारी विशेष सत्र द्वारा सभी प्रतिभागियों को दी गई।

दीक्षांत समारोह

8th Convocation

November 03, 2014

मानवीय मूल्यों की शिक्षा जरूरी : स्मृति ईरानी

1900 विद्यार्थियों को पीएचडी, स्नातकोत्तर एवं स्नातक उपाधियां वितरित की गयी

जैन विश्व भारती संस्थान का 8वाँ दीक्षांत समारोह आचार्यश्री महाश्रमण एवं मानव संसाधन विकास मंत्री भारत सरकार श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी के मुख्य आतिथ्य में अध्यात्म साधना केन्द्र महरोली नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ।

समारोह की मुख्य अतिथि मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन इरानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान दौर में इंसानियत की शिक्षा की बहुत अधिक जरूरत है। उन्होंने मानवीय मूल्यों को शिक्षा के लिए जरूरी बताते हुए मूल्यों के विकास पर जोर देने का आह्वान किया। स्मृति इरानी ने कहा कि आज शिक्षा तो बढ रही है लेकिन इंसान में करूणा एवं संवेदना कम होती जा रही हैं। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों में बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में मूल्यों को प्राथमिकता दे तभी समाज व देश का भला हो सकता है। जैन विश्व भारती संस्थान को मूल्य परक संस्थान बताते हुए कहा कि आचार्यश्री महाश्रमण जैसे आध्यात्मिक संत की अनुशासना में संचालित यह विश्वविद्यालय युवाओं को जीवन निर्माण एवं राष्ट्रीय विकास की शिक्षा दे रहा है। कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने संस्थान का परिचय देते हुए कहा कि अनुशास्ता के नेतृत्व में जैन विश्व भारती संस्थान मानवीय शिक्षा के विकास को समर्पित है। कुलाधिपति बसंतराज भण्डारी एवं कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने विद्यार्थियों को उपाधियां वितरित की। इस अवसर पर सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश आर.एम. लोढ़ा को डी.लॉज एवं पद्म श्री गोवर्धन मेहता को डी लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर 1900 विद्यार्थियों को पीएच.डी., स्नातकोत्तर, स्नातक की उपाधियां वितरित की गई। इससे पूर्व साधना केन्द्र के मुख्य गेट से कार्यक्रम स्थल तक संस्थान के सदस्यों ने प्रोशेसन में भाग लिया। श्रीमती स्मृति ईरानी ने विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की प्रशंसा की।

समारोह को सान्निध्य प्रदान करते हुए अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण ने कहा कि ज्ञान के विकास के साथ परिणाम भी सकारात्मक आने चाहिए। अनुशास्ता ने उपस्थित विद्यार्थियों को 'सिक्खपदं' का संकल्प दिलाते हुए जीवन में नैतिकता को अपनाने का आह्वान किया। समारोह के विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह सरसंचालक भैयाजी जोशी ने कहा कि विद्यार्थियों में राष्ट्रीय भावना के साथ मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पण भी होना चाहिए। शिक्षा के क्षेत्र में जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। इस अवसर पर मंत्री मुनि सुमेरमल, प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष के.एल. जैन, विश्व भारती के अध्यक्ष धर्मचन्द लूंकड़, मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभा आदि उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत प्रो. बच्छराज दूगड़, प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा, प्रो. आर.बी.एस. वर्मा, शांतिलाल गोलछा ने किया।

Vice-Chancellor's Incessant Steps

Talk at Hemchandracharya North Gujarat University

Vice -Chancellor Samani Charitarprajna of Jain Vishwa Bharati Institute was invited as Guest of Honour in "Yuva Sammelan" program organised by Hemchandracharaya North Gujarat University of Patna, on 14th of August, 2014. On this occasion more than 4500 students from various colleges of Gujarat were participated .In this program there was a session on *Anuvrat - Nashamuktii and Swachhata Abhiyan*, in which the Vice- chancellor addressed in her speech -" Anuvrat means a small vow. In other words it means self discipline. A person who is self disciplined can lead a peaceful and prosperous life. As the young generation of toady are the future of tomorrow, their life is to be self disciplined in action, speech and thinking. Self-discipline brings morality in one's behaviour. A moral person is an asset for family, society, nation and whole world. She remarked that among 1.3 billion of India's population 600 million are our young generation and if all of them take the vows of *anuvrat* there shall be a revolutionary change. Focusing on one of the Anuvrat regarding non violence and cleanliness of environment **she threw light on the campaign run by Prime Minister Narendra Modi and advised all the participants to contribute for developing pollution free environment. On this occasion she made the participants to take vows of Anuvrat and make a firm decision to follow it."**

Samani Rohit Pragya presenting her views in Gujarati said "A youth is one who has energy, enthusiasm and efficiency. The use of energy in right direction is essential. But we see that there is no such utilisation because today youth are in fall of substance abuse or bad habits due to fashion trend, living style, depression, passion, tension etc., which is ruining their life. She said all these aspects are part of life and living without addiction and other bad habits is an art of life. She marked that to experience the real independence it is crucial to give up the bad habits."

In vote of thanks the chief guest Vice chancellor Dr Godhara paid gratitude to samanijis for enlightening the students.

Lecture at 7th National Conference of Terapanth Professionals

On 16th and 17th of August the 7th National conference of Terapanth Professionals was held by Terapanth Professional forum. In its 5th session, topic "Woman in Decision Making Position, Roles, Responsibility and Challenges", expressing her views, Vice -chancellor of JVBI said "Decision making is big task of life. A woman wearing various has to take many decisions in her day today life in which she faces many difficulties, problems and challenges. But through the inclination towards spirituality she can overcome many of the problems and can take best decisions in her life. At the request of audience, she gave information regarding JVBI and also advised professionals to provide their services to JVBI.

9th International and 45th Annual Conference at VGU

Samani Charitra Prajna, VC of JVBI was invited as Chief Guest in 9th International and 45th Annual Conference organised on 21-23 August 2014 by ELTAI (English Language Teachers Association of India) and Department of English Vivekanand Global University at VGU, Jaipur. The theme of the conference was "**Teaching English: Classes to Masses**". Throwing light on the idea of conference Samani Charitra Prajna spoke on the significance of English language in the globalised world. Focusing on the common mentality of people of rural area she said "There are three causes which stop people moving ahead in learning English are - Fear, Identity and Culture. Elaborating her talk she marked that people don't have courage to be accustomed with anything new. They have also made a wrong belief that if they start to learn English, their culture will be far from them. Their own language, their mother tongue will lose its importance. They think that learning English means ruining original identity." She concluded her speech advising two things - to make the people free from wrong notions regarding learning English and make them understand about its necessity to stand in multidimensional competitive world.

प्राकृत वसुवर्धिनी अलंकरण से सम्मानित

अखिल भारतीय विद्वत परिषद् काशी द्वारा 16 नवम्बर, 2014 को वाराणसी में आयोजित विद्वत संगोष्ठी में जैन विश्व भारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा को प्राकृत वसुवर्धिनी अलंकरण से सम्मानित किया गया। समारोह में देश के अनेक विद्वतजनों यथा उत्तरप्रदेश के लोकायुक्त नरेन्द्र कुमार मेहरोत्रा, बिहार के स्वास्थ्य मंत्री रामधनीसिंह, प्रख्यात साहित्यकार महाश्वेता देवी सहित 30 विद्वानों को सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने परिषद के प्रति आभार प्रदर्शित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति एवं सुरक्षा के लिए संस्कृत भाषा के उत्थान एवं विकास के लिए हम सभी को व्यापक प्रयास करने चाहिए।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन स्मृति व्याख्यान माला में कुलपति का व्याख्यान

26 नवम्बर, 2014 को चूरू बालिका महाविद्यालय में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन स्मृति में आयोजित एक व्याख्यान माला के अन्तर्गत संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा को आमंत्रित किया गया। महाविद्यालय के डायरेक्टर ने समणी चारित्रप्रज्ञा का स्वागत किया। कमल कोठारी ने समणीजी का परिचय दिया। कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कन्याओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि ''जीवन में लक्ष्य निर्धारण के साथ साथ व्यक्ति के भीतर साहस, आत्म-विश्वास, दायित्व आदि भी हो तो वह अपने लक्ष्य तक पहुँच सकता है। कन्याओं में भी इतनी शक्ति है कि वे अपने स्वयं का और पूरे विश्व का निर्माण कर सकती है।'' अन्त में चूरू बालिका महाविद्यालय की प्राचार्या ने समणजी का धन्यवाद ज्ञापन किया। लगभग 300 बालिकाओं ने व्याख्यान माला का लाभ मिला।

West Zone Vice Chancellors' meet

West Zone Vice Chancellors' meet was held at Jaipur by AIU, on 1-2, December, 2014. The meeting was hosted by Malaviya National Institute of Technology, Jaipur. Around sixty Vice Chancellors of West Zone attended this event. The summit had five sessions on different topics to boost Quality, Employability and Entrepreneurship in Higher Education. The chief Guest of the meet were Prof. Furqan Qamar(Secretary General AIU), Lt.Gen.(Retd.) S.P.Kochhar(Principal Advisor ESDM, MSME, New Delhi), Prof. I.K.Bhatt, (Director MNIT JAIPUR). Lt.Gen.(Retd.)S.P.Kochhar (Principal Advisor ESDM,MSME ,New Delhi), Prof. A.K.Khar (Chancellor Pratap University), Prof. R.P.Singh(Sect. Gen. Quality Council of India), Mr. Deepak Bhardhawaj(Vice president of Samsung) and etc delivered their keynote speech in the sessions.

In the end of each session there was discussion and churning of thoughts in which all the Vice-chancellors' actively participated and which resulted in the exchange of information, enrichment of ideas and experience. In the valedictory session Samani Charitra Prajna V.C.of J.V.B.I, Presenting her observation said 'it is of great privilege to be part of this summit and I thank all the participants for quality discussion on the crucial problems of higher education' .She remarked that there must be more interactive discussion than presentation and highlighting her views she said that the presentation was more on what the changelles and problems are but the need of the hour is to focus on how the solution can be made to those problems and achieve qualitative, creative, innovative and successful development of the higher education system. She also emphasised to present the role module of the solutions and the learn experience from one another rather than overseas. At the end she said that organising such events gives a platform for academic feternity and to have the critical discussion on various issues and it also enrich and update all the participants with new information and

International Conference on Relative Economics, Udaipur

An International Conference was organized in association with Indian Economics Association, Mohanlal Sukhadia University and JVBI on 27-29th December, 2014 in Udaipur. In the conference governor of Reserve Bank of India and many other Prominent economist with 3000 participants were present. JVBI as a co-sponsor, distributed the kit with JVBI brochure and a book on Relative Economics,

A Panel session was organized on the theme of Relative Economics where Dr Manak Singhi, Chief Advisor in Govt. of India; Prof Ashok Bafna, Samani Charitra Prajna, VC, JVBI; Prof. C.R. Barla and others presented their views and papers. The session was ended with a deep discussion of two hours. Participants demanded for such session to be more in conference. Besides this, Samani Charitra Prajna, VC, JVBI gave a Keynote address on the subject of Relative Economics in the Department of Jainology of Mohanlal Sukhadiya University organized by Dr. Jinendra Jain.

Samani Charitra Prajna Awarded with Life Time Achievement Award

Life Time Achievement Award

On 20th December 2014, Samani Charitra Prajna, vice-chancellor of JVBI has been awarded with 'Life Time Achievement Award' by Confederation of Indian Universities *(Bharatiya Vishva Vidyalay Parisangh)* on auspicious occasion of United Nations International Day of Human Solidarity at India International Centre in Delhi. Her name was selected for this honour by the Awards and Appreciation cum Search committee for her contribution to human values.

The event was graced by Governor of Gujarat O.P. Kohli. He as a keynote speaker highlighted the rich history of Gujarat followed by the launching of the book *"Gujarat: Atita Vartaman and Bhavishya"*. His highness Kohliji congratulated all the awardees who are going to receive various kinds of awards on this pious occasion.

Samani Charitra Pragya presenting her views on Value education said that real development of man is the development of values. She said "Today we need to put adjective before man as a good man because man did not remain a man. He has lost his humanity. Man has become self - centred and this self-centred consciousness gave birth to many evils in the society". She highlighted the problem of violence, terrorism, child labour, unemployment etc. and emphasised the significance of value education as the solution of all these problems.

She said that according to Acharya Mahashraman integrated development consist of materialistic economic, moral and spiritual development. Without morality and spirituality one can have outer growth but cannot build a peaceful society.

She paid her gratitude to Chancellor Priyaranjan Trivedi for recognizing the work done by Jain Vishva Bharati Institute in the direction of human values and science of living.

President of CIU (Confederation of Indian Universities) said, Samani Charitra Prajna is the one who really deserve to be vice chancellor. He paid gratitude towards samaniji and promised to visit JVBI.

Integral Humanism in Indian Thought, Bhopal

A National Seminar on 'Integral Humanism in Indian Thought' was organized by Sanchi University of Buddhist-Indic Studies, at Bhopal, on 25-27 March, 2015. Prof. S. R. Bhatt, convened the whole seminar. In the inaugural session Prof. S. Rinpoche, Prof. Kutumb Shastri, Prof. Chandrakala Padiya, Samani Charitra Prajna, and the Vice-chancellor of the university shared their views on theme integral humanism. Man and universe both are interrelated. Even there is oneness in the body, mind and soul. Prof. Samani Chaitanya Prajna chaired the technical session and Dr. Samani Aagam Prajna, presented her paper on "Ratnatraya: The Concept of Integral Development in Jainism". The whole Seminar was ended with deep discussions and findings.

Shri Devasagar Singhi Jain Mandir, Sujangarh

One-day National Seminar was organized by Singhi Family on the glorious occasion of centenary of Shri Devasagar Singhi Jain Mandir, Sujangarh, on 2nd Feb., 2015.

Vice-chancellor, Samani Charitra Prajna, as a chief guest said that this kind of celebration protects and promote our Jain art, culture and values. This kind of celebration increases the feelings of love, compassion, brotherhood, etc. Prof. Prem Suman Jain focused on the nature nurturing in Jainism. Dr. Samani Aagam Prajna shared her views on self-discipline as an eternal value of Jainism. Self-discipline keeps man physically, mentally and emotionally happy and healthy. Prof. Anand Prakash Tripati convened the whole program.

Review Committee on Value Education, Delhi

A Review Committee meeting was held on 25 Dec. 2014 at UGC, New Delhi.

Hari Gautam, the former chairman of UGC headed the committee. He welcomed all the Vice-Chancellors and introduced the agenda of the meeting. Later the session was open for discussion. Each Vice-chancellor was asked to present their views regarding how to implement the values in course curriculum of higher education.

Vice-chancellor of Bansthali Institute, **Aditya Shastri** proposed that the student should be given such environment that he learns from it automatically. Values are to be inculcated and not taught. Vice-Chancellor of Haridwar University suggested that the students' should be taught the ancient literature, which contains original values of our Indian cultures. For that, they must know ancient language like Sanskrit.

Vice-Chancellor, JVBI, **Samani Charitra Prajna**, said today education focuses on the physical and intellectual development of the student but higher education should have eye on developing their emotional and spiritual levels too. Science of Living can be the best tool to develop integrated personality. Our ancient Prakrit literatures too carry oriental values. So, Prakrit should also be given equal importance in the course curriculum. For teaching the values to students teachers should be given proper training and if they become the role models for the student then students will automatically imbibe the values in their life.

Bal Krishna, Vice-Chancellor of Patanjali University, said student should learn to live. They should be given the knowledge of our old *jadibutis* and *vanspatis*. Ayurveda can help them a lot. **K. N. Nagendra**, Chancellor, SVYASA, commented that student should be given proper training in the yoga. Their life-style should be yogic life-style.

Kapil Kapoor, former Pro-Vice Chancellor of Jawaharlal Nehru University while giving his remarks about the meeting said we have got the valuable suggestions from all the Vice-Chancellors. The main thing is the implementation of values in action. He said I believe Jaina principles are the great principles. He appreciated that this Jaina Sister preaches what they live. They are the role models for the students.

CM Jariwala, former dean of law, Banaras Hindu University commented that the suggestion for emotional development was very important. At last, **Hari Gautum** thanks all the Vice-Chancellors to share their esteemed thoughts and their valuable time. Approximately, Vice-chancellors of 15 institutes and universities attended the meeting.

Samani Charitra Prajna in UGC Workshop on Choice Based Credit System

Samani Charitra Prajna, vice-chancellor of JVBI, participated in UGC Workshop on 'Choice Based Credit System' and 'Credit Framework for Skill Based Vocational Courses in Universities and Colleges' on April 13, 2015 in Jaipur. This UGC workshop was held by Central University of Rajasthan. Workshop was attended by about 150 participants including the vice-chancellor of universities of Rajasthan, Himachal Pradesh and Jammu and Kashmir. Both the topics mentioned in the title of workshop were covered in two sessions. In the first session Information regarding Choice based Credit System was given by Prof. Devraj, Vice - chairman, UGC. He spoke on importance of qualitative education and also motivated vice-chancellors to introduce this new system in education. His lecture was followed by open discussion in which many of the vice-chancellors put their problems of not introducing this CBCS in their universities. Many who already have applied this system gave their feedback. Prof. Devraj accompanied by Prof. Chahal held the session and tried to solve all the problems raised by participants. After the session Samani Charitra Prajna introduced JVBI to Vice -chairman and informed him about her plan to applying CBCS system from next semester. Vice-chairman expressed his wishes for the development of JVBI and also promised to visit it.

In Second session, regarding 'Credit Framework for Skill Based Vocational Courses in Universities and Colleges' there were three Presentations given by Dr. Amit, ATCTE expert on credit frame work, Dr. Nikhil, UGC officer on skill based schemes and credit system and Dr. Garima, NSDC representative. Through those presentations information reflecting upon queries like what is skill based vocational courses, how to apply it, what will be the credit framework for such courses were presented thoroughly. This session was also followed by good discussion.

JVBI as a Knowledge Partner with ASSOCHAM

To spread out the awareness and behaviour change through yoga, in collaboration with Ministry of Ayush, UN Agencies and other stake holders ASSOCHAM (The Associated Chambers of Commerce & Industry of India) has organised a conference "Illness to Wellness - The Yoga Way" on 9th May 2015 in Delhi. Jain Vishva Bharati Institute, as a knowledge partner took part in this event. On this occasion the booklet "Synergy of Yoga and Wellness (with specific reference to Preksha Meditation)" published by JVBI was launched by well known Yoga leaders and speakers who came to grace the event. In exhibition there was a book stall of JVBI, in which various publication of JVBI related to Meditation and Yoga was exhibited. The stall was visited by many participants of the conference. On this occasion, a book *"Mirror of the Self"* written by Acharya Mahaprajna was distributed with kit to all participants.

Samani Charitra Prajna, VC, JVBI, in her speech focused on the significance of Meditation and Yoga. She said that to lead a healthy life, one needs to make meditation and yoga a part of his life. She said "Meditation helps to change the emotions by bringing change in the hormones of endocrine gland system. Transformation of emotions transforms the personality of individual. Meditation and Yoga through transformation provides not only physical health but also mental and emotional health."

Svami Ramdevji, known as Yoga guru in his speech mentioned the name of Acharya Mahaprajna as a great Yogi. He said that he had studied the literature of Acharya Mahaprajna on Yoga and Preksha Meditation and very much impressed with that. He also talked about his meetings with Acharya Mahaprajna and Acharya Mahashraman. In this event Ms. Nivedita Joshi, managing secretary, Iyengar Yogaksheema; Dr, Bharat Thakur, founder of Artistic Yoga; Dr. Ishwar V. Basavaraddi, director of Morarji Desai National Institute of Yoga have also presented their views.

This event was recorded by many media channels. In the interview taken by Akashvani and the channel "care world" Samani Charitra Prajna spoke about the importance of value education, courses provided by JVBI to build an integrated personality, training in peace and nonviolence etc.

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित सेमिनार

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा "Tradition of Non-violence: Changing Context" विषय पर 14 फरवरी, 2015 को अन्तर्राष्ट्रिय सेमिनार आयोजित हुआ। उद्घाटन सत्र में संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने समुपस्थित विद्वत्जन एवं शोद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा- आज हर व्यक्ति शांति की खोज में लगा हुआ है, परन्तु शांति कभी भी हिंसा से प्राप्त नहीं हो सकती। महात्मा गांधी ने कहा है कि शुद्ध साध्य की प्राप्ति के लिए साधन भी शुद्ध चाहिए। आज समस्या है, व्यक्ति अध्ययन करता है, मात्र रोजगार के लिए, अथार्जन के लिए परन्तु 'जीवन में नैतिक मूल्यों का विकास कैसे हो' इसके लिए कोई विचार नहीं करता। साथ ही कुलपति महोदया ने जीवन से जुड़े हुए विविध पहलुओं पर भी प्रकाश डालते हुए नैतिक जीवन जीने की प्रेरणा दी।

सेमीनार निर्देशिका प्रो. विद्या जैन, अध्यक्षा, गांधी अध्ययन केन्द्र ने कहा कि गांधी दर्शन अहिंसा पर केन्द्रित है। उन्होंने अत्यन्त प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि अहिंसा को साक्षात् अपने जीवन में आत्मसात् करने वाली जैन विश्वभारती संस्थान की कुलपति हमारे मध्य समुपस्थित है।

सेमिनार में राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति हनुमानसिंह भाटी, प्रो. दयानन्द भार्गव, प्रो. कलानाथ शास्त्री, बैंकाक से समागत डॉ. पेजीरा आदि विद्वत मंडली उपस्थित थी।

Graduation Day Address at Ganadhipati Tulsi's Jain Engineering College

On 17th May 2015, Samani Charitra Prajna, Vice-chancellor of Jain Vishva Bharati Institute was invited as chief-guest at Ganadhipati Tulsi's Jain Engineering College, Vellore, Tamil Nadu on the occasion of its 11th graduation day. Addressing the students presented in the ceremony, Samani Charitra Prajna first of all congratulated them for successful completion of their study of bachelor and master. In her speech focusing on right meaning and significance of education, she elaborated following four objectives of education:

- Education must develop integrated personality of students
- It must be accessible to all students
- It must cultivate values in students
- It must build a non-violent and peaceful society

She inspired students to pursue high goals in life with following moral values. She in her talk made aware the students as well as teachers about not only their roles but also how to be responsible regarding it. She awarded degrees and certificates to all students.

Principal of the college paid gratitude towards Samani Charitra Prajna for gracing the ceremony and enlightening the students, staff and audience through an energetic speech.

Panel Discussion on Prakrit as a Classical Language, Delhi

On 2/6/2015, Bhogilal Leharachand Institute of Indology organized a panel discussion on "Prakrit as a Classical Language"at IIC, Delhi. Prof. G.C. Tripathi coordinated the whole session. He welcomed all the guest speakers, distinguished scholars, and students and introduced the Prakrit as an ancient as well as parallel to Sanskrit language. Prof. Jagatram Bhattacharya focused on the historicity of Prakrit and gave references of the use of Prakrit in Vedas. He also pointed out grammatically how all the languages originated from Prakrit. Prof. J.B. Shah gave details of the ancient Prakrit literature – Jain Aagams. Vice-chancellor, Samani Charitra Prajnaji highlighted on the four causes of Prakrit language to be accepted as Classical language. They are – Its Originality, Antiquity, Various texts in that particular language and Development of the language. Samani Kusum Prajnaji presented the values and the facts hidden in Prakrit literature. At last there was a question answer session. The a penal session ended with the deep and brainstorming discussions.

Anuvrat Conference, New Delhi

A Three-day International Anuvrat Conference was organized by Surendra Burad in New Delhi, from 26th to 29th of October, 2014. The inaugural and the valedictory program was in the presence of His Holiness Acharya Mahasharmanji. VC, JVBI, Samani Charitra Prajna, Dr. Samani Riju Prajna, Dr. Samani Satya Prajna, Dr. Samani Rohini Prajna, Dr. Samani Aagam Prajna participated in the conference. Samani Charitra Prajna shared her views on **Anuvrat in Day-to-day Life**. She said, we have to see the present in order to know the reality. Violence was in past, is in present and will be in future. For solving the present problems great souls have contributed a lot to the society and the nation. Acharya Tusli, gave the guiding principles of Anuvrat for the betterment of the humanity. Those principles are such that each of us can accept them as per own status. Secondly, we mostly talk of our rights and not of our duties. In fact, for the betterment of the society we have to see our duties as a social being and with the implementation of the anuvrat principles we can save our environment and the Mother Earth. Approximately 100 scholars participated from the various parts of the world.

Meeting with the Former President APJ Abdul Kalam, Delhi

Vice-chancellor, Samani Charitra Pranja has a formal meeting with the Former President, APJ Abdul Kalam at his office on 3/6/2015. Samani Charitra Prajnaji informed him regarding the development going on in the institute and gave invitation to come to Ladnun. Kalamji gave acceptance to be in the university campus. He asked about the annual intake of the students in the university, water harvesting, etc. Honorable Vice-chancellor presented "Akshar Yug" – a book of 25 years of JainVishva Bharati Institute.

कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा का अभिनंदन

योग के द्वारा कार्यक्षमता का विकास - मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल

अध्यात्म साधना केन्द्र नई दिल्ली में मुनि किशनलालजी के सान्निध्य में साधना केन्द्र का स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह दिनांक 14 जून, 2015 को मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि योग के द्वारा शारीरिक स्वास्थ्य एवं कार्यक्षमता का विकास किया जा सकता है। केजरीवाल ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित योग पाठ्यक्रम को जीवन विकास का माध्यम बताया। इस अवसर पर केजरीवाल ने साधना केन्द्र में योगक्षेम कक्ष का उद्घाटन किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र कुमार जैन ने प्रेक्षाध्यान को योग पद्धति का विशिष्ट उपक्रम बताया। उन्होंने कहा कि आचार्य तुलसी एवं आचार्य महाप्रज्ञ ने प्रेक्षाध्यान पद्धति का अविष्कार कर मानवता को नया चिंतन दिया। जैन विश्व भारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने विश्वविद्यालय द्वारा योग के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों को रेखांकित करते हुए योग की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा का अभिनंदन भी किया गया।

देश के सुप्रसिद्ध चिकित्सक पद्मश्री डॉ. एमसी मनचन्दा ने हृदयरोग के उपचार में योग के प्रभाव की मीमांसा करते हुए बताया कि वे अब तक हजारों लोगों का योग के माध्यम से हृदय रोग का उपचार करने में सफल हुए हैं। साधना केन्द्र के प्रभारी न्यासी के सी जैन ने बताया कि अध्यात्म साधना केन्द्र से अब तक हजारों लोग लाभ उठा चुके हैं। इससे पूर्व मुख्य न्यासी सम्पतमल नाहटा ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती समारोह की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला।

दिल्ली सरकार के पूर्व मुख्य सचिव एस रघुनाथन, जैविभा विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति श्रीमती सुधामही रघुनाथन, एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक प्रो. जेएस राजपूत, जैविभा के मंत्री अरविन्द गोठी आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। अध्यात्म साधना केन्द्र के निर्देशक धर्मानन्दजी ने आभार एवं प्रमोद घोड़ावत ने संचालन किया।

MoU with Swarnim Gujarat Sports University

In Order to achieve a successful and sustainable partnership, the Swarnim Gujarat Sports University, Gandhinagar, Gujarat and Jain Vishva Bharati Universtiy, Ladnun, Rajasthan endorse this Memorandum of Understanding.

Both institutions will make every reasonable effort to encourage direct contact, educational and research Cooperation in the areas of High performance training of physical education and sports sciences between their constituents, including students, faculty members, departments, and research institutes, and will Endeavour to cooperate in the fields with which both institutions are concerned.

जीवन विज्ञान एवं योग की सम्पर्क कक्षाएं

संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विषयक सम्पर्क कक्षाओं का शुभारंभ 1 मई, 15 को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक प्रशाल में समारोह पूर्वक हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि योग व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है। सम्पर्क कक्षाओं के अन्तर्गत एक महीने तक विद्यार्थियों को योग का प्रशिक्षण दिया गया। योगा एक्सपर्ट सहायक आचार्य डॉ. अशोक भास्कर ने योग का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में दिल्ली, मुंबई, कानुपर, इंदौर, जयपुर, हरियाणा, गुजरात सहित देश के अनेक प्रांतों से लोगों ने भाग लिया

पुस्तकालय विज्ञान की सम्पर्क कक्षा कार्यशाला

संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में पुस्तकालय विज्ञान की सम्पर्क कक्षा कार्यशाला का शुभारम्भ 28 अप्रेल को शैक्षणिक भवन के प्रशाल में हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के पुस्तकालय विज्ञान विशेषज्ञ रामचन्द्र जासोदिया ने विद्यार्थियों को पुस्तकालय विज्ञान का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। बी.लिब. के संयोजक जेपी सिंह एवं अन्य विद्वानों ने सम्पर्क कक्षा में प्रशिक्षण दिया। यह कार्यशाला 11 मई तक संचालित की गयी। इस सम्पर्क कक्षा कार्यशाला में देश भर से अनेक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

सत्रीय कार्य कार्यशाला का आयोजन

संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय द्वारा 12 मई को आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने कहा कि विद्यार्थियों में मात्रात्मक एवं संख्यात्मक वृद्धि के साथ-साथ गुणात्मक विकास अपेक्षित है। विद्यार्थी के गुणात्मक विकास के लिए सत्रीय कार्य वरदान है।

दूरस्थ शिक्षा के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने सत्रीय कार्य की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए मूल्यांकन पद्धति पर प्रकाश डाला। प्रो. बी.एल. जैन ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा के समन्वयकों को सत्रीय कार्य समय पर भेजने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. योगेश जैन, डॉ. गिरिराज भोजक आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यशाला में राकेश जैन, नेपालचन्द गंग, डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. विष्णु कुमार, डॉ. सुनिता इंदोरिया, तृप्ति दुबे, निर्मला भास्कर, भारती शर्मा, डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़, डॉ. संजय गोयल, डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत, डॉ. जसवीर सिंह, डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज, डॉ. नरेन्द्र सैनी, डॉ. प्रमोद सैनी, विकास शर्मा, डॉ. मधुकर दाधीच, स्नेहा अग्रवाल, लक्ष्मी सिंघी सहित अनेक लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन जे.पी. सिंह ने एवं आभार रामकैलाश जोशी ने किया।

पुस्तकालय विज्ञान विद्यार्थी कार्यशाला

7 मई 2015 को संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में संचालित पुस्तकालय एवं सूचना विद्यार्थी सम्पर्क कार्यशाला को संबोधित करते हुए केन्द्रीय विद्यालय उत्तरप्रदेश के सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष ओपी सैनी ने कहा कि वर्तमान में पुस्तकें ही ज्ञान विकास का सक्षम मार्ग है।

सैनी ने पुस्तकालय वर्गीकरण, सिद्धांत एवं व्यवहार पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान की जानकारी दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. जसबीर सिंह ने पुस्तकालयों में सूचना एवं संचार क्रांति को युग की आवश्यकता बताते हुए पुस्तकालय विज्ञान क्षेत्र में कॅरियर की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में आई पी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट हरियाणा के मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. रामचन्द्र जोरासिया ने भी विद्यार्थियों को सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया।

राष्ट्रीय स्तरीय निबन्ध प्रतियोगिता

संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में 'आचार्य तुलसी एवं अणुव्रत आन्दोलन' विषय पर राष्ट्रीय स्तरीय निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें गौहाटी की कविता बांठिया प्रथम, लाडनूं के अरिहन्त भंसाली द्वितीय एवं डॉ. वीरेन्द्र भाटी तृतीय स्थान पर रहे। जोधपुर के जसवंत कंवर एवं छापर की प्रियंका प्रजापत को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया।

क्षेत्रीय समन्वयकों की राष्ट्रीय कार्यशाला

संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में 12 एवं 13 सितम्बर, 2014 को क्षेत्रीय समन्वयकों की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गयी। उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने दूरस्थ शिक्षा में नई तकनीक को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में शीघ्र ही ऑन-लाईन कोर्सेस प्रारंभ हो रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला-विश्वविद्यालय जोधपुर केन्द्र के निदेशक प्रो. आर.सी. शर्मा ने जैन विश्व भारती संस्थान द्वारा दी जा रही दूरस्थ शिक्षा को उपयोगी बताया।

विशिष्ट अतिथि जोधपुर के शिक्षाविद् डॉ. अजय वर्द्धन आचार्य ने संस्थान के दूरस्थ शिक्षा के पाठ्यक्रमों को मूल्यों से पूरित पाठ्यक्रम बताया। विशिष्ट अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव विवेक शर्मा ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से देश-विदेश में शिक्षा की दर में वृद्धि हुई है। संस्थान के दूरस्थ शिक्षा के निदेशक डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठीने कार्यशाला के उद्देश्य एवं स्वरूप पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के दूसरे सत्र की अध्यक्षता प्रो. बी.आर. दूगड़ ने की।

तृतीय सत्र की अध्यक्षता प्रो. आर.बी.एस. वर्मा, चतुर्थ सत्र की अध्यक्षता प्रो. समणी चैतन्य प्रज्ञा, पांचवे सत्र की अध्यक्षता प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा ने की। सहायक कुलसचिव दीपाराम खोजा ने परीक्षाएं कैसे संचालित करें की जानकारी दी। समापन समारोह के मुख्य अतिथि एन.आई.ओ.एस. जयपुर के निदेशक के.ए. गुप्ता ने संस्थान के दूरस्थ शिक्षा के पाठ्यक्रम को चरित्र निर्माण एवं जीवन निर्माण का पाठ्यक्रम बताया। अध्यक्षता कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने की। विशिष्ट अतिथि नवोदय विद्यालय के सहायक निदेशक प्रेमचरण शुक्ला थे। कार्यक्रम में अजमेर के गौतम जैन, जयपुर की रीना गोयल, रायसिंहपुर के कैलाश बाबू ने भी अपने विचार रखे। इस दो दिवसीय कार्यशाला में नई तकनीक, समन्वयकों के समस्याओं का समाधान एवं पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। इस दो दिवसीय कार्यशाला में डॉ. अशोक भास्कर, जे.पी. सिंह, रामकैलाश जोशी, शंकर मिश्रा, अजय पारीक, मयंक जैन, प्रियंका कुमारी, मुमुक्षु सुनिता चिण्डालिया, ओमप्रकाश सारण, मदनसिंह, सुरेश कुमार आदि का सराहनीय योगदान रहा।

स्मृति विकास एवं क्रोध निवारण शिविर

संस्थान के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में स्मृति विकास एवं क्रोध निवारण शिविर का आयोजन 8 दिसमबर 2014 को स्थानीय केशर देवी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम में योग विशेषज्ञ डॉ. अशोक भास्कर ने विद्यार्थियों को ध्यान, योग एवं महाप्राण ध्वनि का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया।

विद्यार्थियों को प्रशिक्षकों द्वारा आसन-प्राणायाम, अनुप्रेक्षा, एकाग्रता के प्रयोग, कायोत्सर्ग आदि का प्रशिक्षण दिया गया। संभागियों को निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, जगदीश यायावर, डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने भी संबोधित किया।

1 दिसम्बर को यह शिविर स्थानीय जौहरी उ.मा.वि., लाडनूं तहसील के ध्यावा, झरड़िया एवं सारड़ी के शिक्षण संस्थानों में 6 दिसम्बर को निदेशालय द्वारा आदर्श विद्या मंदिर में भी किया गया। 5 दिसम्बर को भूतोड़िया उ.मा.वि., हीरावती रामावि, मरूधर शिक्षण संस्था, शिवाजी उमावि एवं रामावि ओडिन्ट में शिविर आयोजित किया गया।

Establishment of Bhagawan Mahavir International Centre Occasion of Birth Centenary of Acharya Tulsi

Jain Vishva Bharati Institute, Ladnun has established Research Centre in the name of "Bhagawan Mahavir International Research Centre for Scientific Research and Social Innovative Studies" on the auspicious occasion of birth centenary of its first Anushasta Acharya Tulsi.

The centre was officially declared by the Vice-chancellor Samani Charitra Prajna on Oct. 2nd, 2014 in the pious presence of the present Anushasta Acharya Mahashraman at Bhikshu Auditorium of Adhyatma Sadhana Kendra, Delhi.

In the inaugural program of International Research Centre Prof. Samani Chaitanya Prajna extended her warm welcome to all the delegates present at this occasion. Dr. Anil Dhar, the

Registrar of the institute, has presented the first monograph of the centre, **"Compendium on Science and Mathematics in Jainism"** to Acharya Mahasharaman. Dr. Anupam Jain has offered the first research work of the centre, **"Development of the Mathematical Thoughts in Jainism"** to Acharya Mahasharman.

This research centre is one of its kind to work in the field of scientific research of Jainism and its social implication. This will be a hub centre for all those educational institutes, scholars and researcher who are interested to work in the field of Jainism. The plan of establishing four chairs was proposed by Acharya Mahaprajna in order to generate scholars in different branches of Jainism. Prof. Samani Chaitanya Prajna has been appointed as the Executive Director of the research centre. The eminent scholars and scientists like Prof. Muni Mahendra Kumar, Prof. Mahavir Raj Gelra, Prof. Narendra Bhadrai, Prof. Narayan Lal Kachhara, Prof. B. C. Lodha, Prof. Sagarmal Jain, Prof. Mahendra Bhandari, Prof. Pratapa Sachetee, Dr. Anupam Jain, Prof. P.C. Jain and Dr. T.M. Dak, etc. are the esteemed members of the advisory board of the Centre.

Two-Day Workshop on "Compendium on Science and Mathematics in Jainism"

With the establishment of Bhagawan Mahavir International Research Center, a two-day workshop on "Compendium on Science and Mathematics in Jainism" was organized by the department of Jainology and Comparative Religion and Philosophy on October 2-3, 2014. In the workshop, 50 Scholars from India and abroad participated. Almost 27 white papers written, related to the theme of the workshop, by different eminent scholars and scientists were discussed in the workshop for final review and assessment.

The first technical session was chaired by Prof. Pratap Sanchetee and there were 7 speakers. Prof. Muni Mahendra Kumar focused on the connection between Neuroscience and Karma.

Prof. Sanchetee expressed his views on Mind, Brain and Consciousness. Prof. S.S. Pokharna shared his thoughts on Syadvad and Anekantavad in the light of the modern scientific researches.

The second technical session was chaired by Dr. Rudi Jansma.

The paper on "Doctrine of Karma, Free Will and Transmigration: A Logical Approach" was presented by Dr. Subhash Jain. The work on "Ecological Considerations in Jainism and Modern Views" was discussed by Dr. Rudi Jansma. Muni Abhijit Kumar shared his views on "The Jain Concept of Gods: A Scientific Analysis". The paper on Karma, Body System. Dr. Anupam Jain and Dr. R.S. Shah presented their thoughts on "Contribution of Jain Scholars in the Development of Mathematics".

3rd Oct, 2014 the 3rd technical session was started. Dr. N.L. Kachhara chaired this session. Dr. S.S. Pokharna shared his views on "Exploration of General Systems Theory, Quantam Physics, General Theory of Relativity, Neurophysiology and Jainism". "Mathematical Expressions in Anuyogadvara" – this paper was dealt by Dr. Sadhvi Rajul Prabha.

Dr. Sadhvi Chaitanya Prabha presented her thoughts on "Jain Epistemology and Cognitive Science". Samani Vinay Prajna explained the concept of Numerable, Innumerable and Infinite according to the canon Bhagavati.

"Jain and Other Systems of Yoga: Scientific Perspectives", this paper was presented by co-author Dr. Sohanraj Tater and Dr. L.C. Jain.

The paper on "Scientific Exploration of the Existence of the Soul" was dealt by Dr. Parasmal Agrawal. The paper "Jain Epistemology and Modern Theories of Cognitions and Knowledge" was dealt by Dr. Viney Jain.

Many other papers were presented by various other scholars like Prof. Samani Chaitanya Prajna on "Laws of Nature: A Jain Perspective", Dr. Kokila Shah on "Theory of Syadvad and Quantum Mechanics" and, Dr. Varsha Shah on "Evolution of Life from Jain Perspective".

In the closing session, Prof. B.C. Lodha was invited as the Guest of Honour and Samani Charita Prajna, the VC, JVBI, was the Chair. In the beginning of the session, Dr. S.S. Pokharna gave his feedback about the whole workshop. He said different cells of this research centre could be opened at various cities like Ahmedabad, Pune, Caluctta, Jamshedpur, etc. A website should be made and keep updated so that scholars get the idea how much work has been done. Prof. Thomas Dafferen gave his suggestion that in order to carry out scientific studies many doctors can be associated with this centre. Scientific study of nonviolence is necessary.

Dr. N.L. Kachhara presented the report of the compendium of the workshop and suggestive guidelines for the White Papers presented in the compendium. Prof. Samani Chaitanya Prajna presented progress report of the center. Prof. B.C. Lodha said Science cannot develop without Mathematics and Mathematics cannot develop without Science. Samani Charitra Prajna shared her thoughts, as "We all have to work together in order to make Jainism more pragmatic and logical". She announced Prof. Samani Chaitanya Prajnas as the first Executive Director of the Research Centre. As last Dr. Anil Dhar gave Vote of Thanks. Dr. Anand Prakasha Tripathi, the Director of Distance Education, effectively convened the program. In this way the whole two-day workshop was a great success.

अहिंसा एवं शांति विभाग

राष्ट्रीय सेमिनार

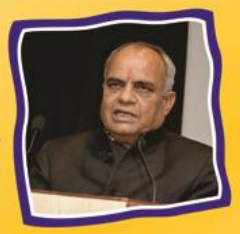

कर्त्तव्य के बिना अधिकार संभव नहीं - प्रो. कुड़ी

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग के तत्वावधान में 27 एवं 28 फरवरी 2015 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार- ''मानवाधिकार एवं कर्त्तव्य भारतीय परम्परा के संदर्भ में'' विषय पर आयोजित किया गया। इस दो दिवसीय सेमिनार में भारत के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे विद्वानों ने विषय पर चर्चा परिचर्चा की। समापन के अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष प्रो. एच.आर. कुड़ी ने कहा कि कर्तव्य के बिना अधिकार संभव नहीं है। कार्यक्रम को सान्निध्य प्रदान करते हुए मुनि श्री सुखलाल ने कहा कि अहिंसक चेतना का विकास एवं संयम की चेतना के जागरण से मानवाधिकारों के प्रति जागरूक बना जा सकता है। विशिष्ट अतिथि जम्मू विश्वविद्यालय के प्रो. अनुराग गंगल ने बढ़ रही हिंसा को मानवाधिकार के लिए खतरा बताया। विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल धर ने सेमिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने अतिथियों का परिचय दिया। लक्ष्मी सिंघी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

राष्ट्रीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग एवं कॅरियर एण्ड काउन्सलिंग सेल के तत्वावधान में त्रिदिवसीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर 29 से 31 जनवरी, 2015 तक आयोजित किया गया। शिविर के शुभारंभ में समारोह के मुख्य अतिथि महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. चन्द्रकला पाड्या ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा अहिंसा को जीवन में अंगीकार करें तभी देश एवं समाज का विकास संभव है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने युवाओं को अहिंसा एवं शान्ति को जीवन का ध्येय बनाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की प्रो. पूनम बावा थी। अहिंसा एवं शान्ति विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल धर ने स्वागत वक्तव्य दिया। प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत करते हुए अहिंसा प्रशिक्षण शिविर की महत्ता एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

संयोजन डॉ. जुगल किशोर दाधीच एवं आभार डॉ. रवीन्द्र सिंह ने किया। शिविर के दौरान मानव अधिकार, अहिंसा प्रशिक्षण, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति, श्रमदान आदि का प्रशिक्षण दिया गया। विभिन्न संस्थानों के लगभग 100 प्रतिभागी शिविर में सम्मिलित हुए। शिविर के दूसरे दिन राजकीय चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. कमलेश कस्बा ने स्वास्थ्य सेवाएं एवं मानवाधिकार विषय पर प्रशिक्षण दिया। शिविर में डॉ. युवराज सिंह खंगारोत ने योग का प्रशिक्षण दिया।

संभागियों ने अपने-अपने अनुभव व्यक्त किए। शिविर में वाद-विवाद, गायन, कविता आदि प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गयी। संभागियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग के तत्वावधान में 8 सितम्बर, 2014 को एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। संभागियों को सम्बोधित करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल धर ने पर्यावरण संतुलन में युवाओं के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि देश का युवा वर्ग सजग रहकर पर्यावरण संतुलन में महत्ती भूमिका निभा सकता है। संभागियों को डॉ. समणी सत्यप्रज्ञा, डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़, डॉ. युवराज सिंह ने भी संबोधित किया तथा प्रशिक्षण दिया। इस शिविर में स्थानीय सैनिक उच्च माध्यमिक विद्यालय के 125 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर पर्यावरण से जुड़ी डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गयी।

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग के तत्वावधान में 16 अक्टूबर, 2014 को भी को अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा कि अहिंसात्मक जीवन से ही मानव समाज के विकास में योगदान दे सकते हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल धर ने अहिंसा तत्व की मीमांसा करते हुए जीवन में प्रेम, सद्भाव, भाईचारा को जरूरी बताया। डॉ. समणी सत्यप्रज्ञा ने विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. समणी रोहिणी प्रज्ञा ने जीवन विज्ञान का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। संभागियों को पर्यावरण से जुड़ी फीचर फिल्म भी दिखायी गयी। शिविर में मौलाना आजाद माध्यमिक विद्यालय के सौ से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़ ने किया।

एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 9 जनवरी, 2015 को किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने संभागी विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अहिंसात्मक चेतना के विकास एवं उसमें आस्था से ही श्रेष्ठ नागरिक का निर्माण संभव है। संभागियों को विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल धर, प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने भी संबोधित किया। डॉ. समणीरोहिणी प्रज्ञा ने संभागियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। शिविर में स्थानीय भूतोड़िया उ.मा.विद्यालय, लाड मनोहर उ.मा. विद्यालय, केशर देवी उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं निम्बीजोधा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के लगभग 450 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। शिविर के संभागियों को पर्यावरण से सम्बन्धित डॉक्यूमेन्ट्री भी दिखाई गयी। शिविर संयोजक डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़ थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने किया।

मानवाधिकार दिवस का आयोजन

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस 12 दिसम्बर, 2014 को मनाया गया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने कहा कि अधिकार से पहले कर्त्तव्य की ओर भी ध्यान देना आवश्यक है। प्रो. बी.आर. दूगड़ ने परस्पर करूणा रखने का आह्वान किया। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा एवं शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने भी संभागियों को संबोधित किया। प्रतियोगिताओं की प्रभारी डॉ. सरोज राय ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए।

विशेष व्याख्यान

सामाजिक सद्भाव के लिए शिक्षा

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग के तत्वावधान में सेमीनार हॉल में 19 फरवरी को 'सामाजिक सद्भाव के लिए शिक्षा' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिल्ली के प्रो. एम.डी. थॉमस ने विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।

अहिंसा दिवस का आयोजन

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग के तत्वावधान में गांधी जयन्ती के पूर्व दिवस पर अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस सेमीनार हॉल में मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रो. बच्छराज दूगड़ ने की। कार्यक्रम में संभागियों को विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल धर, प्रो. जे.पी.एन मिश्रा ने भी संबोधित किया। सभी ने गांधी के अहिंसा, शान्ति, प्रेम, भाईचारा, सद्भाव, सहयोग के विचारों को आत्मसात कर जीवन व्यवहार में लागू करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़ ने किया। संस्थान के शिक्षा विभाग में भी प्रो. बी. एल. जैन की अध्यक्षता में अहिंसा दिवस मनाया गया।

राष्ट्रीय कार्यशाला

महिलाओं की आत्म सुरक्षा एवं पुलिस की भूमिका

संस्थान के शिक्षा विभाग एवं कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं की आत्म सुरक्षा एवं पुलिस की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 18 फरवरी को किया गया। मुख्य अतिथि राजीव गांधी ट्राईबल विश्वविद्यालय उदयपुर के कुलपति टी.सी. सामौर एवं विशिष्ट अतिथि लाडनूं वृत अधिकारी जाकीर अख्तर ने भी संभागियों को विषय से सम्बन्धित विशेष जानकारी दी। कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में प्रो. बी.एल. फड़िया, प्रो. पी.एम. भाटी जोधपुर, प्रो. कान्ता कटारिया जोधपुर, प्रो. एम.डी. थॉमस नई दिल्ली ने भी अपने व्याख्यान के साथ प्रशिक्षण दिए।

कॅरियर एण्ड काउन्सलिंग सेल एवं एकेकेएम

वाद-विवाद प्रतियोगिता

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय एवं कॅरियर एण्ड काउन्सलिंग सेल के तत्वावधान में एस.डी. धोड़ावत ऑडिटोरियम में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन 23 सितम्बर, 2014 को 'शिक्षा की गुणवत्ता उत्तरदायी कौन-शिक्षक या संसाधन' विषय पर आयोजित की गयी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मोनिका सांखला, द्वितीय स्थान पर सोनू सोलंकी रही। दोनों सुभाष बोस उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्रा है। सांत्वना पुरस्कार भवानी निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्रा सविता शर्मा एवं सुनिल चारण को मिला। प्रतियोगिता में निर्णायक विशेषाधिकारी नेपालचन्द गंग, सहायक आचार्य डॉ. युवराज सिंह खंगारोत, डॉ. गिरिराज भोजक ने संभागियों को संबोधित किया। प्रतियोगिता का संचालन डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने किया। प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने संभागियों को संबोधित करते हुए प्रोत्साहित किया।

कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग कार्यशाला

संस्थान के शैक्षणिक भवन के सेमीनार हॉल में 7 मई, 2015 को वाणिज्य वर्ग विद्यार्थी कॅरियर एण्ड काउन्सलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सीए, सीपीटी की ऑन लाइन कक्षाओं के संचालन की जानकारी दी गयी। कॉमर्स एक्सपर्ट नीतेश माथुर सीए ने विद्यार्थियों को 'वाणिज्य वर्ग में कॅरियर निर्माण कैसे करें' विषय पर व्याख्यान देते हुए वाणिज्य वर्ग के विभिन्न क्षेत्रों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये विभिन्न सवालों के संदर्भ में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया गया। कार्यक्रम को कुलसचिव प्रो. अनिल धर एवं प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने भी संबोधित किया।

जनसम्पर्क समन्वयक डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय का परिचय दिया। इस अवसर पर सहायक आचार्य मधुकर दाधीच ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में एसएम नाहटा फाउण्डेशन के सौजन्य से संचालित ऑन लाईन क्लासेज की जानकारी देते हुए सीए, सीपीटी के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में विजयगोपाल कट्टा, राजेश नाहटा, अरविन्द नाहर, अब्दुल हमीद मोयल सहित अनेक लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में सौ से अधिक युवाओं ने भाग लिया।

मार्शल आर्ट स्व रक्षा का विशिष्ट उपक्रम

संस्थान के कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सैल के तत्वावधान में संचालित ग्रीष्मकालीन कक्षाओं का अवलोकन करते हुए जैन विश्व भारती के मंत्री अरविन्द गोठी ने मार्शल को स्वयं की रक्षा का महत्वपूर्ण सूत्र बताया। गोठी ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित इन कक्षाओं से क्षेत्र के विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव है।

सैल द्वारा कुकिंग क्लासेज, कार ड्राईविंग, हैयर एण्ड स्कीन केयर, योग, मार्शल आर्ट, स्पोकन इंग्लिश, बेसिक कम्प्यूटर एवं नृत्य प्रशिक्षण आदि कक्षाओं का आयोजन किया गया। इन कक्षाओं में लाडनूं नगर एवं आस-पास के करीब साढे आठ सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। विषय के एक्सपर्ट कुकिंग में कमलेश जगवानी, कार ड्राईविंग में सुगनसिंह सैनी, मार्शल आर्ट में विकास शर्मा, स्पोकन अंग्रेजी में अबरार अहमद, प्रमोद सैनी, नृत्य में सैण्डी और रजत, योगा में युवराज सिंह खंगोरोत, कम्प्यूटर में पूजा जैन, दीपक माथुर, पंकज भटनागर आदि प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया।

कार ड्राईविंग ट्रेनिंग

संस्थान के कॅरियर कॉउन्सलिंग सैल के तत्वावधान में 14 मई को कार ड्राईविंग ट्रेनिंग का उद्घाटन प्रशासनिक खण्ड से हुआ। ग्रीष्मकालीन कोर्सेस के अन्तर्गत 15 दिवसीय कार ड्राईविंग का उद्घाटन प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने हरी झण्डी दिखाकर एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने मंगलपाठ सुनाकर किया। इस अवसर पर वित्ताधिकारी राकेश जैन, विशेषाधिकारी नेपालचन्द गंग, सहायक कुलसचिव दीपाराम खोजा, डॉ. वीरेन्द्र भाटी, डाटा एनालिस्ट मोहन सियोल, पवन सैन, शरद जैन, अनूपाराम खोजा सहित अनेक लोग उपस्थित थे। प्रशिक्षक सुगनसिंह सैनी डीडवाना ने प्रशिक्षुओं को सैद्धांतिक जानकारी देते हुए यातायात नियमों की जानकारी दी। इस प्रशिक्षण में 35 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

प्रमाण पत्र वितरण समारोह आयोजित

लक्ष्य के साथ कॅरियर निर्माण संभव – कस्बा

संस्थान के कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सैल के तत्वावधान में आयोजित विविध ग्रीष्मकालीन कक्षाओं का प्रारंभ 8 मई से हुआ। कक्षाओं के प्रमाण-पत्र वितरण समारोह का आयोजन 27 मई, 2015 को एसडी घोड़ावत ऑडिटोरियम में समारोह पूर्वक किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार कस्बा ने प्रतिभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि लक्ष्य के साथ कॅरियर निर्माण करना जरूरी है। उन्होंने संस्थान द्वारा संचालित विविध कोर्सेस को कॅरियर निर्माण के लिए उपयोगी बताते हुए जीवन निर्माण का माध्यम बताया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्राप्रज्ञा ने कहा कि ज्ञान के साथ संस्कार निर्माण इस संस्थान का ध्येय है। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने स्वागत वक्तव्य देते हुए ग्रीष्मकालीन कक्षाओं को व्यक्तित्व विकास का माध्यम बताया। कार्यक्रम में उपस्थित समणी नियोजिका डॉ. ऋजुप्रज्ञा ने विद्यार्थियों को इन कक्षाओं के माध्यम से कॅरियर के प्रति सचेत रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर मार्शल आर्ट की प्रस्तुति प्रशिक्षणार्थियों द्वारा दी गयी।

कार्यक्रम में डॉ. मनीषा चौधरी, निशा राठौड़, नवज्योति चारण, तेजस भटनागर, उत्तम भाटी, अनमोल दाधीच, हिमानी राठौड़, आर्यन दाधीच, जयवर्द्धन सिंह राठौड़, डोली मारू आदि विद्यार्थियों द्वारा अनुभव प्रस्तुत किये गये। कॅरियर कॉउन्सलिंग सैल के समन्वयक डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने कार्यक्रम की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए आभार व्यक्त किया। संयोजन डॉ. युवराजसिंह खंगारोत ने किया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्रा वितरण किये गये।

गरबा प्रतियोगिता

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय एवं कॅरियर कॉउन्सलिंग सेल के अन्तर्गत गरबा प्रतियोगिता का आयोजन 28 सितम्बर, 2014 को किया गया। प्रतियोगिता में अंचल की विविध स्कूलों एवं महाविद्यालय की छात्राओं ने भाग लेकर गरबा नृत्य प्रस्तुत किया। वरिष्ठ वर्ग में महाविद्यालय की छात्राओं ने प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग में प्रथम पूजा शर्मा एवं समूह, द्वितीय समरीन एवं समूह रहे। सांत्वना पुरस्कार कमला एवं दीपा समूह को दिया गया। कनिष्ठ वर्ग में सुभाषी बोस उच्च माध्यमिक विद्यालय, संस्कार उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं को सम्मानित किया।

गरबा नृत्य का 15 दिवसीय प्रशिक्षण गुजरात के हरेन भाई एवं दर्शन भाई द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में प्रो. रेखा तिवारी, सुशीला तलेसरा, डॉ. जुगल किशोर दाधीच, प्रगति भटनागर, कमल मोदी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन निर्मला भास्कर ने किया।

केन्द्रीय कपड़ा मंत्रालय के सहयोग से स्मार्ट प्रोजेक्ट का शुभारम्भ

प्रशिक्षण से होगा युवा रोजगार की ओर अभिमुख - कुलपति

जैन विश्व भारती संस्थान के तत्वावधान में भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय के सहयोग से संचालित एटीडीसी व्यावसायिक संस्थान, जयपुर द्वारा स्मार्ट प्रोजेक्टर का शुभारम्भ 18 जुलाई, 2014 को हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि इस प्रशिक्षण से अंचल के युवा रोजगार की ओर अग्रसर होंगे। मुख्य अतिथि लाडनूं के उपखण्ड अधिकारी मुरारीलाल शर्मा ने प्रशिक्षण को जन हितकारी बताते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के युवाओं को लाभ मिलेगा। विशिष्ट अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष बच्छराज नाहटा ने इस प्रोजेक्ट को लाडनूं अंचल के युवाओं के लिए संजीवनी बताया। कार्यक्रम में ए.टी.डी.सी. के स्टेट समन्वयक हेमेन्द्र हल्दिया ने भारत सरकार द्वारा संचालित स्मार्ट परियोजना का परिचय देते हुए कहा कि इस परियोजना के माध्यम से बेरोजगार युवक-युवतियों को टेक्सटाईल क्षेत्र का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम में विस्तार निदेशालय की प्रभारी पुष्पा मिश्रा ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने किया। इस अवसर पर विस्तार निदेशालय द्वारा संचालित आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान युवक-युवतियों को स्मार्ट ऑपरेटर, स्मार्ट सरफेस ऑरनामेन्टेशन तकनीक, स्मार्ट चैकर, स्मार्ट फिनिशर्स एण्ड पैकर्स, स्मार्ट प्रोडक्शन सहायक आदि का प्रशिक्षण दिया जायेगा

9वीं आचार्य तुलसी श्रुत संवर्धिनी व्याख्यान माला

संस्थान के महादेवलाल सरावगी अनेकान्त शोध पीठ के तत्वावधान में एस.डी. धोड़ावत ऑडिटोरियम में 9वीं आचार्य तुलसी श्रुत संवर्धिनी व्याख्यान माला के अन्तर्गत 19 फरवरी 2015 को बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एच. पी. व्यास ने कहा कि अध्यात्म और शिक्षा का गहरा जुड़ाव है। अध्यात्म और शिक्षा के सम्यक पालन से जीवन में व्याप्त द्वन्दों से मुक्ति पायी जा सकती है। आचार्य तुलसी ने शिक्षा और अध्यात्म का समन्वय स्थापित कर शिक्षा दर्शन को व्यापक बनाया है। अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने शिक्षा के साथ संस्कार को जीवन की पहली आवश्यकता बताया। संस्थान के कुलसचिव एवं अनेकान्त शोधपीठ के निदेशक प्रो. अनिल धर ने स्वागत वक्तव्य देते हुए अतिथियों का परिचय दिया। संयोजन डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज एवं आभार ज्ञापन डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने किया।

कलक्टर ने किया पौधारोपण

नागौर जिला कलक्टर श्रीमती वीणा प्रधान ने 19 जुलाई को संस्थान के परिसर में पौधारोपण कर प्रत्येक व्यक्ति को एक-एक पेड़ लगाने का आह्वान किया। इस अवसर पर कलक्टर ने संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय, आचार्य तुलसी महिला छात्रावास, शिक्षा विभाग, एस.डी. घोड़ावत ऑडिटोरियम, एपरैल ट्रेनिंग एंड डिजाईन सेन्टर (केन्द्रीय कपड़ा मंत्रालय द्वारा स्थापित), तुलसी कला विथि, केन्द्रीय पुस्तकालय आदि का अवलोकन कर संस्थान की गतिविधियों को उत्कृष्ट बताया।

इस अवसर पर कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए प्रत्येक नागरिक को संकल्प ग्रहण करना चाहिए। इस अवसर पर आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. समणी मल्ली प्रज्ञा, नगरपालिकाध्यक्ष बच्छराज नाहटा, उपखण्ड अधिकारी मुरारीलाल शर्मा, तहसीलदार आदूराम मेघवाल भी उपस्थित थे।

श्रीमती प्रधान केन्द्रीय पुस्तकालय में लगभग छः सौ वर्ष प्राचीन पाण्डुलिपि देखकर चकित रह गयीं। संस्थान के इस पुस्तकालय में पांच सौ से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियां हैं।

अवलोकन

डीडवाना के अतिरिक्त जिला कलेक्टर सी.एल. गोयल ने 8 सितम्बर, 2014 को संस्थान के विभिन्न विभागों एवं उपक्रमों का अवलोकन करते हुए इस विश्वविद्यालय को अहिंसा एवं शान्ति के प्रसार का उत्कृष्ट संस्थान बताया।

विश्वविद्यालय आवासीय कॉलोनी में पौधारोपण

जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार 24 जुलाई, 2014 को विश्व विद्यालय आवासीय कॉलोनी में पौधारोपण किया गया। इस कार्य में सहायक कुलसचिव दीपाराम खोजा, दीपक माथुर, अजय पारीक, शरद जैन, मनोज शर्मा, संदीप शर्मा आदि ने सहयोग किया।

शिक्षक अभिभावक सम्मेलन

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 20 फरवरी, 2015 को शिक्षक अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में कॉलेज पाठ्यक्रम, सह-शैक्षणिक गतिविधियों, सी.बी.सी. सिस्टम सहित अनेक मुद्दों पर चर्चा हुई।

संस्थान में 5 सितम्बर, 2014 को शिक्षक दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि शिक्षार्थी को शिक्षक के प्रति समर्पित रहकर ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। शिक्षक के आचरण एवं व्यवहार से ही श्रेष्ठ विद्यार्थी का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में संभागियों को प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा, डॉ. बी. एल. जैन ने भी संबोधित किया। छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गयी।

रेड रिबन क्लब के अन्तर्गत प्रतियोगिताओं का आयोजन

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय द्वारा संचालित 'रेड रिबन क्लब' के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अन्तर्गत 12 अगस्त, 2014 को 'युवाओं के समक्ष चुनौतियाँ' विषय पर भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के परीणाम निम्न प्रकार रहे-

भाषण प्रतियोगिता	-	प्रथम - प्रभा डागा एवं शिवानी
		द्वितीय - करुणा शर्मा एवं हिमानी राठौड़
पोस्टर प्रतियोगिता	-	प्रथम - प्रतिभा भूतोड़िया एवं प्रिया बैद
		द्वितीय - आरती सौलंकी

निर्णायक के रूप में विशेषाधिकारी नेपालचन्द गंग, सहायक आचार्य डॉ. योगेश जैन, डॉ. सरोज राय, अदिति गौतम ने अपना योगदान दिया।

छात्राओं ने जीता चल वैजयन्ती

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की छात्रा भारती एवं शालिनी गहलोत ने रतनगढ़ में आयोजित रामगोपाल गिरधारीलाल सराफ स्मृति राज्य स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में चल वैजयन्ती का खिताब आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के नाम किया। इस अवसर पर अतिथि स्वामी कानपुरी महाराज ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया।

जैन विश्व भारती संस्थान के विभागीय सेमीनार के आयोजन के क्रम में आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में सत्र जनवरी-मई, 2015 में निम्न सहायक आचार्यों ने विभिन्न शीर्षकों के अन्तर्गत आयोजित सेमिनार में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। इनके विवरण निम्नानुसार है-

वक्ता	शीर्षक
डॉ. समणी मल्ली प्रज्ञा	मानवाधिकार - जैन आगम के संदर्भ में
कमल कुमार मोदी	विदेशी निवेश
निर्मला भास्कर	मानसिक स्वास्थ्य में योग की भूमिका
सुरेन्द्र कश्यप	हिंदी साहित्य और मानवाधिकार
पूजा जैन	Virtual Learning Enviroments
स्नेहा अग्रवाल	Human Resource Management

प्रत्येक प्रस्तुतीकरण में प्राचार्य डॉ. मल्लीप्रज्ञा एवं स्टाफ सदस्यगण उपस्थित रहे। वक्ताओं के द्वारा शोध पत्र से संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। सम्पूर्ण सत्र में सेमीनारों का नरेन्द्र कुमार सैनी के द्वारा कुशलतापूर्वक संयोजन किया गया।

यूथ कॅरियर फेयर का आयोजन

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय एवं कॅरियर एण्ड काउन्सलिंग सैल के तत्वावधान में 24 सितम्बर, 2014 को यूथ कॅरियर फेयर का आयोजन किया गया। फेयर का उद्घाटन करते हुए नागौर के सांसद सी.आर. चौधरी ने कहा कि आज केवल शिक्षा ही पर्याप्त नहीं है, शिक्षा के साथ मानवीय मूल्यों एवं जीवन निर्माण की शिक्षा भी बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में वर्द्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के पूर्व कुलपति प्रो. नरेश दाधीच ने कॅरियर निर्माण पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि ज्ञान के साथ व्यक्तिगत दक्षता होनी जरूरी है। प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत की। कॅरियर काउन्सलिंग सेल के समन्वयक डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन पूजा जैन ने किया। इस मेले में महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के करीब एक हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। मेले में खान-पान सहित कॅरियर से जुड़ी सामग्री से संबंधित 70 स्टाल लगाए गए। सांसद सी. आर. चौधरी एवं अतिथियों ने मेले में घूम कर सभी स्टॉलों का अवलोकन किया।

विदाई समारोह आयोजित

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 7 अप्रेल, 2015 को विदाई समारोह आयोजित किया गया। परम्परागत स्नातक की अन्तिम वर्ष की छात्राओं के विदाई समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य की बधाई देते हुए उन्हें संस्कारवान बने रहने की शिक्षा दी। आचार्य डॉ. समणी मल्लिप्रज्ञा ने संबोधित करते हुए छात्राओं को जीवन में विकास करने हेतु संकल्प दिलवाया।

संस्थान के कुलसचिव ने छात्राओं को अपनी गुणवत्ता को बनाए रखते हुए आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के संयोजन में निर्मला भास्कर, सुरेन्द्र सैनी, स्नेहा अग्रवाल का सराहनीय सहयोग रहा।

संयोजन कमला पारीक और नेहा सोनी ने किया।

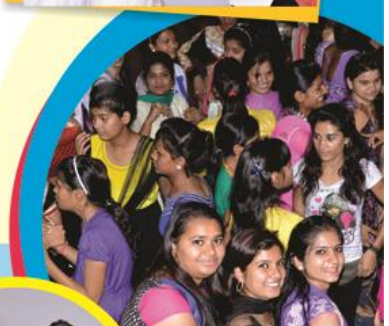

राष्ट्रीय एकता दिवस

संस्थान के एस.डी. घोड़ावत ऑडिटोरियम में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 138वीं जयंती का आयोजन 31 अक्टूबर को समारोह पूर्वक किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने सरदार पटेल को बहुमुखी प्रतिभा का धनी बताया। मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा थी। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. बी.एल. जैन ने किया। इस अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता परिचर्चा, एकता दौड़, एन.सी.सी. मार्च फास्ट, पोस्टर प्रतियोगिता आदि का आयोजन भी किया गया।

प्रवेशोत्सव

सामाजिक समरसता का केन्द्र है यह विश्वविद्यालय – डॉ. समणी चारित्रप्रज्ञा

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 2 अगस्त 2014 को प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय शिक्षा जगत का अनूठा केन्द्र है। यहां सामाजिक समरसता के साथ मूल्यों की शिक्षा प्रदान की जाती है। कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने नए प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनकी भावी विकास की कामना की। प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मिस फ्रेशर का खिताब बी.कॉम. की छात्रा दीक्षा जैन को प्रदान किया गया।

विश्व की प्रथम पर्वतारोही जुड़वा बहनें ननसी और तासी जैविभा संस्थान में

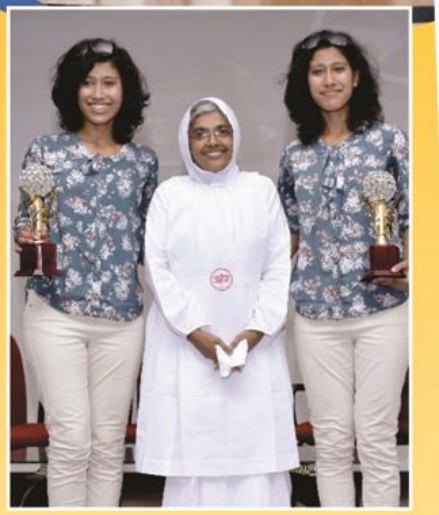

जैन विश्व भारती संस्थान एवं एन्सपायर ह्युमैन कैपिटल मैनेजमेण्ट संस्थान, गुड़गाव के संयुक्त तत्वावधान में 5 एवं 6 अगस्त, 2014 को दो दिवसीय एडवांस स्किल डवलपमेण्ट कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विश्व की प्रथम पर्वतारोही जुड़वा बहनें ननसी और तासी मलिक ने उपस्थित शिक्षकों, अधिकारियों, विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए माउन्ट एवरेस्ट आरोहण के बारे में अपने अनुभव साझा किए। ननसी एवं तासी माउण्ट एवरेस्ट के साथ-साथ अफ्रीका, एशिया, साउथ अमेरिका, आस्ट्रेलिया, नॉर्थ अमेरिका के पर्वतों पर भी आरोहण कर विश्व में कम उम्र की पर्वतारोही के रूप में पहचान बनायी है। एस.डी. घोड़ावत ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में ननसी एवं तासी द्वारा माउन्ट एवरेस्ट के आरोहण पर बनी डॉक्यूमेन्ट्री फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने दोनों बहनों को मोमेण्टो भेंट किया।

शैक्षिक भ्रमण

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की 71 छात्राओं का एक दल छः दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत माउन्ट आबू, देलवाड़ा का जैन मंदिर, गुरू शिखर, अचलगढ़ के दुर्ग, नक्की झील उदयपुर, सिटीपैलेस, मोती डूंगरी, फतेहसागर झील, लोककला मंडल आदि का भ्रमण किया। भ्रमण दल का नेतृत्व निर्मला भास्कर, स्नेहा अग्रवाल, प्रमोद सैनी एवं नरेन्द्र सैनी ने किया।

'कॅरियर निर्माण माह' अभियान

जैन विश्व भारती संस्थान के तत्वावधान में संचालित कॅरियर निर्माण माह अभियान के अन्तर्गत निम्नांकित प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए गए-

1 जनवरी को स्थानीय सूरजमल भूतोड़िया बा. विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित हुआ। दूरस्थ शिक्षा के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने संभागी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सम्बोधित किया।

2 जनवरी को स्थानीय केशर देवी बा.उ.मा. विद्यालय, सैनिक उ.मा. विद्यालय, सुभाष बोस उ.मा. विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किए गए। कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया।

3 जनवरी को स्थानीय लाड मनोहर बाल निकेतन, मौलाना आजाद उ.मा.वि. में व्याख्यान आयोजित किए गए।

4 जनवरी को पड़िहारा के ग्रामोत्थान संस्थान उ.मा. विद्यालय, आई.टी.आई. केन्द्र, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं इंडियन उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

5 जनवरी को स्थानीय संस्कार उ.मा.विद्यालय, जौहरी रा.उ.मा. विद्यालय में आयोजन किया गया। वित्ताधिकारी राकेश कुमार जैन ने भी संबोधित किया।

6 जनवरी को जसवन्तगढ के रा.उ.मा. विद्यालय, भवानी निकेतन उ.मा. वि. एवं रा.बा.उ.मा.विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

7 जनवरी को जसवन्तगढ के प्यारी देवी हनुमान बख्स उ.मा. आदर्श विद्या मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

8 जनवरी को कसुम्बी के इंदिरा बाल निकेतन उ.मा.वि., गोविन्द मेमोरियल उ.मा.वि. एवं राजकीय उ.मा.वि. में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

10 जनवरी को ग्राम सुनारी में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, शारदा उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं वीर तेजा उच्च माध्यमिक विद्यालय में कॅरियर निर्माण एवं जीवन मूल्यों पर व्याख्यान आयोजित किए गए। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कॅरियर निर्माण के प्रति सजग रहने का आह्वान किया।

12 जनवरी को स्थानीय विमल विद्या विहार में कार्यक्रम आयोजित किया।

13 जनवरी को रा.उ.मा. विद्यालय, विद्या भारती उ.मा.वि. एवं बाल विद्या मंदिर में कॅरियर निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि संस्थान के विशेषाधिकारी नेपालचन्द गंग ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित किया।

15 जनवरी को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, आदर्श विद्या मंदिर निम्बीजोधा में कॅरियर निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया।

16 जनवरी को निम्बीजोधा के नवभारत डिफेन्स अकादमी, सुन्दर पब्लिक स्कूल एवं नवीन विद्यापीठ में कॅरियर निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। तीनों शिक्षण संस्थान के निदेशक 1200 विद्यार्थी, एवं शिक्षक गण कार्यशाला में उपस्थित थे।

17 जनवरी को रताऊ के श्री कृष्णा उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं बल्दू के शारदा सीनियर सैकेण्डरी विद्यालय में कॅरियर निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, डॉ. वीरेन्द्र भाटी ने संबोधित किया। इस अवसर पर श्री कृष्णा उ.मा.वि. के निदेशक जगदीश कासनियां एवं शारदा उ.मा.वि. के निदेशक राजेन्द्र शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित किया। शिक्षण संस्थान के लगभग 1300 विद्यार्थी कार्यशाला में उपस्थित थे।

20 जनवरी को सुजानगढ के राजकीय कनोई बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, गांधी बालिका उ.मा.वि., जाजोदिया राजकीय उ.मा.वि, विद्या भारती उ.मा.वि., काला बाल मंदिर में कॅरियर निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि घनश्याम नाथ कच्छावा थे। सभी विद्यालयों के प्राचार्य, निदेशक ने सहभागिता की। लगभग 1000 विद्यार्थी कार्यशाला में उपस्थित हुए।

28 जनवरी को सुजानगढ़ के रा बालिका उमावि, गांधी बस्ती में कार्यक्रम आयोजित किया। विशिष्ट अतिथि साहित्यकार घनश्याम नाथ कच्छावा ने संभागियों को संबोधित किया।

29 जनवरी को सुजानगढ के पीसीबी उ.मा. विद्यालय, आर.सी.ए. इंन्स्टीच्यूट, इंदिरा बाल निकेतन, एक्सीलेंस माध्यमिक विद्यासलय, एवरग्रीन माध्यमिक विद्यालय एवं श्री गनेशीराम झंवर रा.बा.उ.मा.वि. में व्याख्यान आयोजित किए गए।

30 जनवरी- छापर के जनकल्याण रा.बा.मा. विद्यालय, राजकीय उ.मा. विद्यालय, चाड़वास के रा.उ.मा. विद्यालय, राबा.मा.वि., विद्यास्थली माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किए गए। विशिष्ट अतिथि पत्रकार आलोक खटेड़ ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

31 जनवरी को बीदासर के सेठिया बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं बाल बाड़ी उ.मा. विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किये गये।

कॅरियर निर्माण माह का समापन समारोह

7 फरवरी, 2015 को सुजानगढ के सुरज कुमारी गाड़ोदिया आदर्श विद्या मन्दिर के प्रांगण में जैन विश्व भारती संस्थान द्वारा चलाए जा रहे कॅरियर निर्माण माह अभियान का समापन समारोह पूर्वक किया गया। संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने अध्यक्षता की एवं मुख्य अतिथि सुजानगढ नगरपालिका के अध्यक्ष डॉ. विजय राज शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद् सांवरमल भोजक एवं साहित्यकार घनश्याम कच्छावा थे।

कॅरियर निर्माण माह अभियान के अन्तर्गत समन्वयक डॉ. वीरेन्द्र भाटी के अनुसार लाडनूं एवं आस-पास के क्षेत्र के 56 विद्यालयों के करीब 35 हजार विद्यार्थियों को कॅरियर निर्माण के बारे में जानकारी दी गयी।

शिक्षा जन जागृति अभियान

संस्थान की ओर से संचालित शिक्षा जन जागृति अभियान के अन्तर्गत निम्नांकित कार्यक्रम आयोजित किए गए-

1 सितम्बर, 2014 को सैनिक उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक केशराम हुड्डा ने संभागियों को संबोधित करते हुए जैन विश्व भारती संस्थान के दूरस्थ शिक्षा के पाठ्यक्रमों को विद्यार्थियों के लिए सहज एवं उपयोगी बताया।

2 सितम्बर, 2014 को स्थानीय लाड मनोहर उच्च माध्यमिक विद्यालय में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए।

13 फरवरी, 2015 को बेड़, कोयल, खोखरी एवं बल्दू गांव में शिक्षकों के साथ संगोष्ठि का आयोजन किया गया।

18 फरवरी, 2015 को संस्थान द्वारा शिक्षा जागृति अभियान के तहत मालगांव, तिपनी एवं सिकराली में ग्रामीणों एंव शिक्षकों के बीच कार्यक्रम आयोजित किए गए।

21 फरवरी, 2015 को भरनावां, सांडास, ढींगसरी एवं सिलनवाद में ग्रामीणों एवं शिक्षकों के साथ संगोष्ठि का आयोजन किया गया।

22 फरवरी, 2015 को गेनाणा, रताऊ, धुड़िला, खामियाद, तीतरी के विद्यालयों में शिक्षक संगोष्ठि आयोजित की गयी।

सभी विद्यालयों में डॉ. वीरेन्द्र भाटी मंगल ने संभागियों को सम्बोधित करते हुए संस्थान के पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी एवं डॉ. जुगल किशोर दाधीच एवं डॉ. सुरेन्द्र कुमार ने भी संभागियों को सम्बोधित किया।

नॉर्थ अमेरिका स्थित जैन समाज की प्रमुख संस्था 'जैना' (JAINA) द्वारा जैन विश्व भारती एवं जैन विश्व भारती संस्थान को Presidential Award प्रदान करने की घोषणा

जैन विश्व भारती एवं जैन विश्व भारती संस्थान द्वारा विदेशों में जैन समाज को प्रदत्त विशिष्ट सेवाओं और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए नॉर्थ अमेरिका स्थित जैन समाज के चारों संप्रदायों की प्रमुख संस्था 'जैना' (JAINA) द्वारा Presidential Award प्रदान करने की घोषणा हाल ही में की गई है एवं यह सम्मान 02-05 जुलाई, 2015 को अटलांटा, अमेरिका में 'जैना' (JAINA) के 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदान किया जायेगा।

जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री धरमचंद लुंकड़ एवं जैन विश्व भारती संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए संस्था के अनुशास्ता परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित की है, जिनके पावन आशीर्वाद एवं दिशा-निर्देशन के फलस्वरूप इन संस्थाओं को यह विशिष्ट गौरव प्राप्त हुआ है।

जैन विश्व भारती द्वारा संचालित कार्यक्रम हैं सातसकार - शिक्षा, शोध, सेवा, साधना, साहित्य, समन्वय एवं संस्कृति। जैन विश्व भारती द्वारा संचालित उपर्युक्त कार्यक्रमों से केवल भारतवासी ही नहीं अपितु भारत के बाहर रहने वाले जैन, जैनेत्तर एवं विदेशी लोग भी लाभान्वित हो सकें, इस हेतु परमपूज्य आचार्यश्री तुलसी की दृष्टि के अनुसार सन् 1983 से समण श्रेणी की विदेश यात्राएं प्रारम्भ हुई और इस कार्य का दायित्व जैन विश्व भारती को सौंपा गया। कालान्तर में जैन विश्व भारती के नाम से विदेशों में केन्द्र भी स्थापित हुए, जिनमें जैन धर्म व दर्शन की प्रारम्भिक जानकारी से संबंधित कक्षाएं, प्रेक्षाध्यान की कक्षाएं, प्रेक्षाध्यान शिविर, जैन विद्या कार्यशालाएं, आगम स्वाध्याय, ज्ञानशाला का संचालन आदि कार्यक्रम बराबर चल रहे हैं तथा इन केन्द्रों में लगभग पूरे वर्ष समणीजी का एक वर्ग गुरुदेव की दृष्टि के अनुसार सेवाएं प्रदान करता है।

Seminar on 'Spiritual and Mystic Experiences in Jainism'

Prof. Samani Chaitanya Prajna and Samani Rohit Prajna were invited to National seminar on 'Spiritual and Mystic Experience in Jainism' on 22-23 November, 2014 organised by Department of Philosophy and Religion of Banaras Hindu University at Varanasi. Seminar consisted six sessions. Scholarly papers were presented by eminent scholars came from various institutes of India.

Samani Chaitanya Prajna chaired one of the sessions of seminar and presented her views on *Jain Mysticism*. She explained the concept in detail and clarified many of the problems related to Jain Mysticism. Samani Rohit Prajna spoke on ***"Attainment of Mystical Powers through Spiritual Practices"***. The paper presentation was followed by good discussion.

In Valedictory session, Prof. Mukulraj Mehta, co-ordinator of seminar paid his gratitude towards samanijis for participating and presenting the views on decided theme of the seminar.

Preksha Life Skill Programme in Ichalkaranji

A ten days personality development programme called Preksha Life Skill is offered by Jain Vishva Bharati Institute. This programme has been organised at various places since last two years. In this series, from June 15 to 24, it has been conducted at Ichalkaranji (Maharashtra) by Samani Gautam Pragya and Samani Rohit Pragya. There were 42 participants. The duration of everyday session was two and half hours. During the programme Samani Rohit Pragya spoke on various topics like - Why are we here on this earth, How to stay enthusiastic, Attitude of gratitude and Contribute, Prevent the anger before it burns etc. Participants were given a topic everyday to share their ideas on to increase self confidence and remove stage fear. All the sessions were followed by speech on given topic by each participant which was enjoyed by all. The attraction of the workshop was first speaker award and the best speaker award through which participants got motivated to speak on the stage.

Participants felt this ten days period as their life transforming period. All of them shared their experience and feedback in Valedictory session. Everybody found that this programme developed firm determination in them to live qualitative life. Certificates were presented to all participants. This programme was organised under the banner of Terapanth Yuvak Parishad (TYP) of Ichalkaranji. President of TYP paid hearty gratitude towards samaniji and requested to conduct such programme for children too so that they grow up with good values and start to follow all the values since childhood.

पत्र-पत्रिकाओं में संस्थान : एक झलक

मूल्यों की शिक्षा से समाज व देश का निर्माण संभव : संचेती

मूल्यवान समाज के निर्माण पर दिया जोर

करूणा व संवेदना में कमी आई: ईरानी

'महिला शिक्षा आज की परम आवश्यकता'

पर्वतारोही जुड़वा बहनों का स्वागत

'अधिकार से पहले कर्त्तव्य को समझें'

कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

विश्वभारती का रहा दबदबा

समाज सेवा से निखरेगा सम

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने साधना केंद्र में योगक्षेम कक्ष का किया उदघाटन

शिक्षा में नवाचार जरूरी

विकास के लिए अपशिष्ट पदार्थों का प्रबंधन जरूरी: प्रो. माले

समणी चारित्रप्रज्ञा ने की पूर्व राष्ट्रपति से शिष्टाचार भेंट

अहिंसा से ही देश व समाज का विकास संभव: कुलपति

लाडनूं में राष्ट्रीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर शुरू

मारवाड़ी की बात अलग...

युवाओं को इंसानियत की शिक्षा जरूरी

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय में यूथ कैरिअर कैफर

विद्यार्थियों ने जानी संस्कृति

List of Donors

(01-07-2014 to 30-06-2015)

S.No.	Name of Donor
01.	Akhil Bhartiya Tera Panthi Mahila Mandal, Ladnun
02.	Samani Sangeet Prajna, JVBI, Ladnun
03.	Sh. Amit Baid, Ajman, U.A.E
04.	Sh. Alock Bardiya, Banglore
05.	Vishwa Bharti Manav Seva Sansthan, Surat
06.	Sipani JM, Indonisia
07.	Sh. Sanjay Dhariwal, Banglore
08.	Super Auto India Ltd., Pune
09.	Ms. Vandana, Chennai
10.	Sh. U. Manish, Chennai
11.	Ms. R. Pushpa, Chennai
12.	Sh. M. Sheethal, Chennai
13.	Sh. Kishore Kumar, Chennai
14.	Sh. Kishan, Chennai
15.	Dr. G. Mohan Lal, Chennai
16.	Sh. Abhay Kumar, Chennai
17.	Sh. Pushpras Jesraj Sanklecha, Ihalkaranji
18.	Sh. Laxmi Chand Dugar, Jaipur
19.	Sh. Kishan, Chennai
20.	Sh. Ramesh Kumar, Chennai
21.	Sh. Mohan Lal, Chennai
22.	Sh. Manish Kumar, Chennai
23.	Sh. A.Kishan Chand, Chennai
24.	Sh. Vibha Munoth, Chennai
25.	Ms. Vandana Gulecha,Chennai
26.	Sonal Munoth,Shantinath Appartment, Chennai
27.	Ms. Pushpa Pipada, Chennai
28.	Sh. Manish Munoth, Chennai
29.	Dr. Kishan, Chennai
30.	Ms Pushpa Mohanlal, Chennai
31.	Dr. Mohan Lal, Chennai
32.	Sh. Vikram Jain, Khadki , Pune, (Mah.)
33.	Ms. Pushpa Dugar, Chennai
34.	Dr, Mohanlal, Chennai
35.	Atharva Consortium & Realty Pvt. Ltd. , Pune
36.	Sh. M.R. Jain, Kolhapur
37.	Sheethal Munoth,Cheenai
38.	Ms. Prachee, Chennai
39.	Ms. M. Pushpa, Chennai
40.	Ms. Komal, Chennai
41.	Sh. Abhaya Kumar, Chennai
42.	Ms Pushopa Latha, Chennai
43.	Sh. Narendra & Sonal Sheth, CA
44.	Sh. Kishore Kumar, Chennai
45.	Ms. K. Vandana, Chennai
46.	Sh. Ghyan Chand Jain, Jaipur
47.	Ms. Sushila Devi Hanumanmal Surana, Lchalkaranji
48.	Sh. Sumermal Mishrilalji Balar, Lchalkaranji
49.	Sh. Sobhagmal Manakchand Chajjed, Lchalkaranji
50.	Sh. Parasmal Suresh Kumar Daga, Ichalkaranji
51.	Sh. Jesraj Manak Chand Chajjer, Lchalkaranji
52.	Sh. Jaawahaelal Champalal, Lchalkaranji
53.	Sh. Pushraj Nahar, Vishakhapatnam
54.	Sh. Nathmal Sethia, Ahemdabae
55.	Sh. Manak Lal, Bhilwara

List of FCRA Donors

01.	Bhavarbhai H .Purohit, Houston
02.	P.K. Jain, Singapore
03.	Kamal Jain, Singapore
04.	Sanjay Manhot, Singapore
05.	Anil Kothari, Singapore
06.	Sumit Jain, Singapore
07.	Kirti Chopra, Singapore
08.	Birendra Baid, Singapore
09.	Divya Benara, Pacific Grove CT Union City, CA

फार्म ४
(नियम 8 देखिए)

1.	प्रकाशन स्थान	:	जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं, राजस्थान
2.	प्रकाशन अवधि	:	अर्द्धवार्षिक
3.	मुद्रक का नाम	:	डॉ. अनिल धर
	क्या भारत के नागरिक है ?	:	हाँ
	पता	:	जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं, राजस्थान
4.	प्रकाशक का नाम	:	डॉ. अनिल धर
	क्या भारत के नागरिक है	:	हाँ
	पता	:	(कॉलम 3 के अनुसार)
5.	सम्पादक का नाम	:	श्री नेपाल चन्द गंग
	क्या भारत के नागरिक है	:	हाँ
	पता	:	(कॉलम 3 के अनुसार)
6.	उन व्यक्तियों के नाम पते जो पत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	:	जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं, राजस्थान

मैं डॉ. अनिल धर एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

डॉ. अनिल धर

दिनांक :31.03.2015 (प्रकाशक के हस्ताक्षर)

'A' Grade my NAAC & 'A' Category by MHRD

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत घोषित

मान्य विश्वविद्यालय

M.A. M.S.W. M.Phil. Ph.D.

B.A./B.Com. B.Lib. B.Ed. M.Ed.

Placement Assistance | Separate Hostels for Male & Female | Scholarship Facility | Internet Facility | Coaching for Competition Exams

विशेषताएँ ● राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा समाजोपयोगी कार्यक्रम ● व्यक्तित्व विकास शिविर द्वारा मूल्यपरक शिक्षण एवं प्रशिक्षण ● शैक्षिक भ्रमण ● राज्य एवं राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में संभागिता ● महाविद्यालय परिसर में बुक बैंक व्यवस्था उपलब्ध ● अंग्रेजी संभाषण एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण जैसे पाठ्यक्रमों में रियायती शुल्क पर प्रशिक्षण ● योग्य अनुभवी शिक्षक एवं प्रबुद्ध समणी वर्ग द्वारा विशेष अध्यापन ● आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित अंग्रेजी संभाषण एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रयोगशाला लेबोरेटरी ● शान्त, सुरक्षित, अनुशासित एवं प्रदूषण मुक्त परिवेश ● सभी पाठ्यक्रम यू.जी.सी. एवं भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त ● संभाषण, लेखन, खेलकूद, साहसिक एवं रोमांचक खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में विशेष अवसर ● समृद्ध एवं विशाल पुस्तकालय की व्यवस्था ● छात्रावास एवं जिम की सुविधा ● प्राच्य विद्याओं का अध्ययन करने वाले छात्रों को स्कॉलरशिप देने का प्रावधान ● प्रतियोगी परीक्षाओं का प्रशिक्षण (NET, JRF, CA and CS) ● विषयों से सम्बन्धित विशेष कोचिंग कक्षाएं।

नियमित पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

एम.ए.

▸ जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन ▸ दर्शन ▸ संस्कृत ▸ प्राकृत ▸ हिन्दी ▸ योग एवं जीवन विज्ञान ▸ क्लीनिकल साइकोलॉजी ▸ अहिंसा एवं शान्ति ▸ राजनीतिक विज्ञान ▸ समाज कार्य ▸ अंग्रेजी ▸ एम.एड. (उपरोक्त सभी विषयों में पीएच.डी. सुविधा)

एम.फिल.

▸ जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन ▸ अहिंसा एवं शांति ▸ प्राकृत एवं जैन आगम

स्नातक पाठ्यक्रम

▸ बी.ए. ▸ बी.कॉम. ▸ बी.लिब. ▸ बी.एड. (केवल महिलाओं के लिए)

डिप्लोमा पाठ्यक्रम

▸ स्टडीज इन जैनिज्म ▸ नेचुरोपैथी ▸ प्रेक्षा योग थैरेपी ▸ एन.जी.ओ. मैनेजमेण्ट ▸ बैंकिंग ▸ रूरल डेवलपमेण्ट ▸ जेण्डर इम्पॉवरमेण्ट ▸ कॉरपोरेट सोशल रिस्पोन्सिबिलिटी ▸ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेण्ट ▸ काउन्सलिंग एण्ड कम्युनिकेशन ▸ राजभाषा अध्ययन

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

▸ प्राकृत ▸ अहिंसा एवं शांति ▸ जर्नलिज्म एण्ड मास मीडिया ▸ कम्प्यूनिकेशन इन इंग्लिश ▸ इन्स्ट्रक्शनल मैथड एण्ड मीडिया ▸ एजुकेशनल साइकोलोजी ▸ योग एवं प्रेक्षाध्यान ▸ ऑफिस ऑटोमेशन एण्ड इंटरनेट ▸ फोटोशॉप ▸ एचटीएमएल- वेब डिजाईनिंग

पत्राचार पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

▸ जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन ▸ शिक्षा ▸ हिन्दी ▸ योग एवं जीवन विज्ञान ▸ अंग्रेजी ▸ अहिंसा एवं शांति

स्नातक पाठ्यक्रम

▸ बी.ए. ▸ बी.कॉम. ▸ बी.लिब.

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

▸ अहिंसा प्रशिक्षण ▸ अण्डरस्टेडिंग रिलिजन ▸ जैन धर्म एवं दर्शन ▸ ह्यूमन राइट्स ▸ जैन आर्ट एंड एस्थेटिक्स ▸ ज्योतिष विज्ञान ▸ प्राकृत ▸ प्रेक्षा लाईफ स्कील

बी.पी.पी. पाठ्यक्रम

वे आवेदक जो 10+2 उत्तीर्ण नहीं हैं अथवा प्राथमिक औपचारिक योग्यता नहीं रखते हैं, लेकिन 18 वर्ष की उम्र पूर्ण कर चुके हों, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बी.पी.पी. परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् बी.ए. प्रथम वर्ष में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

फोन : 01581-226110, 224332, 226230 फैक्स : 227472 web : www.jvbi.ac.in e-mail : jvbiladnun@gmail.com